मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 127
गुरुवार, 19 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

प्रदर्शनों से कारोबार प्रभावित, व्यापारियों की अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट का CJP, कांग्रेस, आप-AISA को नोटिस

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) जैसे राजनीतिक दलों, तथा 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) और 'ऑल इंडिया स्टूडेंट्स यूनियन' (AISA) जैसे संगठनों से जवाब मांगा है। यह जवाब बाजार व्यापारी संघों की एक याचिका पर मांगा गया है, जिसमें रामलीला मैदान को विरोध-प्रदर्शन की जगह के रूप में तय किए जाने को चुनौती दी गई है। व्यापारियों का तर्क है कि इस मैदान में होने वाले प्रदर्शनों से कारोबार में बाधा आती है, लोगों की आजीविका प्रभावित होती है और पास के रिहायशी इलाकों की ओर जाने वाले रास्तों तक पहुंच बंद हो जाती है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने 16 अक्टूबर को दिल्ली की 'किराना कमिटी' और चावड़ी बाजार की 'दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट्स एसोसिएशन' द्वारा दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किए। यह याचिका उस दिन कनॉट प्लेस में CJP द्वारा आयोजित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च (जिसमें AISA भी शामिल होने वाला था) से पहले दायर की गई थी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य और वी. मोहना वाली पीठ ने केंद्र, दिल्ली सरकार, कांग्रेस, आप, सीजेपी और आइसा से जवाब मांगा है। पीठ ने दो सप्ताह बाद इस मामले पर सुनवाई करने पर सहमति जताई है।

याचिकाकताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा मैं रामलीला मैदान को विरोध-प्रदर्शन स्थल के रूप में



अधिसूचित किए जाने को भी चुनौती दे रहा हूँ, जो कि गलत है। यह जगह कनॉट प्लेस, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, खारी बावली और सदर बाजार जैसे प्रमुख बाजारों के बहुत करीब है। केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इस मामले को उन याचिकाओं के साथ सुना जाना चाहिए, जिनमें दिल्ली में हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई को चुनौती दी गई है। मेहता ने कहा यह अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें विरोध करने के अधिकार की मांग की गई है। वहीं, यह मामला व्यापारियों, कामगारों और निवासियों के मौलिक अधिकारों का हवाला देते हुए, उस अधिकार पर ही सवाल उठाता है। ये परस्पर विरोधी अधिकार हैं, इसलिए इन पर एक साथ सुनवाई होनी चाहिए। अपनी याचिका में व्यापारियों ने कहा कि रामलीला मैदान पुरानी दिल्ली के घने रिहायशी इलाकों और थोक व खुदरा बाजारों से घिरा हुआ है, जहाँ हजारों कामगार, व्यापारी और विक्रेता अपना काम करते हैंह्व। उन्होंने तर्क दिया कि यह फैसला लेते समय न तो इस बात का कोई सार्वजनिक आकलन किया गया कि इसका निवासियों और व्यवसायों पर क्या असर पड़ेगा।

और न ही प्रदर्शनकारियों की संख्या, विरोध-प्रदर्शन की अवधि, संपत्ति को होने वाले नुकसान या जिम्मेदारी तय करने को लेकर कोई सुरक्षा उपाय किए गए।

राहुल गांधी पर बरसे बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबिन, कहा विदेशी मंचों पर देश का अपमान न करें

पंजाब, 18 नवम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था को आपदा बताए जाने पर पलटवार करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबिन ने बुधवार को आरोप लगाया कि यह आपदा असल में गांधी के अपने दिमाग में है। उन्होंने दावा किया कि गांधी को देश का विकास इसलिए नहीं दिखता क्योंकि उनका परिवार, उनकी पार्टी और वे खुद आगे नहीं बढ़ पाए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए नबिन ने कहा कि जहाँ गांधी अर्थव्यवस्था को आपदा करार दे रहे हैं, वहीं प्रमुख संस्थाएं प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि और भारत के लोगों के विकास में हुई प्रगति को मानती हैं। नबिन ने कहा, मुझे लगता है कि यह आपदा असल में उनके अपने दिमाग में है। शायद इसलिए कि उनका परिवार, उनकी पार्टी और वे खुद आगे नहीं बढ़ पाए हैं,



इसलिए वे अर्थव्यवस्था को 'आपदा' कह रहे हैं। प्रमुख संस्थाएं मानती हैं कि भारत के लोगों का विकास हुआ है और प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है; फिर भी, उन्हें यह विकास दिखाई नहीं देता। देश की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने के लिए गांधी की आलोचना करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विश्व बैंक और IMF जैसी वैश्विक वित्तीय संस्थाओं का हवाला दिया और कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत 7.1 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा राहुल गांधी भारत की अर्थव्यवस्था को 'तबाही' बताते हैं। उन्होंने देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। यह विडंबना ही है कि जो लोग अक्सर लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, वे ही इसके सबसे बड़े नुकसान के लिए जिम्मेदार रहे हैं। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूँ: विश्व बैंक, IMF और अन्य जैसी वैश्विक वित्तीय संस्थाएं भारत की विकास दर को मानती हैं और स्वीकार करती हैं कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद, भारत सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाला देश है। हम इस समय 7.1% की दर से विकास कर रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। गांधी पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को अपमानित करने और यूरोपीय दृष्टिकोण थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए, नबिन ने दावा किया कि देश के भीतर अफरा-तफरी पैदा करने में नाकाम रहने के बाद, कांग्रेस नेता अब अंतरराष्ट्रीय मंचों का रुख कर रहे हैं।

भूमि माफियाओं को चिह्नित कर हो कड़ी कार्रवाई : सरवर सिद्दीकी

◆पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर उठाया मामला, विवादित और मुकदमे में लंबित जमीनों की रजिस्ट्री पर जताई चिंता

भदोही। प्रदेश में भूमि विवादों और कथित अवैध कब्जों के मामलों को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सरवर सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर भूमि माफियाओं को चिह्नित करने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कुछ लोग न्यायालय में मुकदमे लंबित होने के बावजूद विवादित जमीनों की रजिस्ट्री कराने और उन पर कब्जा दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे भूमि विवाद बढ़ने के साथ आम लोगों में असुरक्षा की भावना भी पैदा हो रही है।सरवर सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि कुछ कथित भूमि कारोबारी जमीन के वास्तविक नंबर और रकबे की अनदेखी करते हुए मनमाने तरीके से रजिस्ट्री करा रहे हैं। आरोप है कि जमन-10 और जमन-13 जैसी जमीनों की भी रजिस्ट्री कराई जा रही है, जबकि उनके अनुसार ऐसी कार्रवाई नियमों के विपरीत है। उन्होंने इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने की आवश्यकता जताई है।**न्यायालय में मामला लंबित, फिर भी कब्जे की कोशिशः** सिद्दीकी का कहना है कि विवादित जमीनों अथवा न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों के दौरान भी कुछ लोग जमीन की रजिस्ट्री और कब्जा दिलाने की कार्रवाई में जुटे रहते हैं। इससे एक ही जमीन को लेकर कई पक्षों के बीच विवाद की स्थिति पैदा होती है। कई बार आम लोग ऐसे मामलों में आर्थिक नुकसान उठाने के साथ कानूनी उलझनों में भी फंस जाते हैं।

जांच कर तय हो जिम्मेदारीः उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जमीन के अभिलेखों, वास्तविक नंबर, रकबे और रजिस्ट्री की प्रक्रिया का परीक्षण कर अनियमितता पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही न्यायालय में लंबित विवादों के दौरान नियमों की अनदेखी कर रजिस्ट्री अथवा कब्जे की कोशिश करने वालों पर भी प्रभावी अंकुश लगाया जाए।

गंजारी स्टेडियम में जय शाह ने परखी तैयारियां, उद्घाटन की तारीख पर लगेगी मुहर

◆आईसीसी अध्यक्ष और बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने किया निमार्णाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण, दूधिया रोशनी में जगमगाते मैदान से लेकर पिच और दर्शक सुविधाओं तक का लिया जायजा

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की धरती पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का नया अध्याय लिखने की तैयारी अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। गंजारी में निमार्णाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को क्रिकेट मुकाबलों के लिए तैयार करने की कवायद के बीच बुधवार की शाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पहुंचे। उनका दौरा भले ही गोपनीय रखा गया, लेकिन स्टेडियम परिसर में उनकी मौजूदगी ने उद्घाटन की तैयारियों को लेकर चर्चाएं तेज कर दीं। दोनों ने स्टेडियम के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति के साथ आगामी क्रिकेट आयोजन की तैयारियों को परखा। निर्माण से जुड़े लोगों और स्थानीय अधिकारियों से भी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

शाम करीब छह बजे गंजारी स्टेडियम पहुंचे जय शाह और राजीव शुक्ला के आगमन को लेकर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरा स्टेडियम दूधिया रोशनी में जगमगा रहा था। अधिकारियों और निर्माण कार्य से जुड़े लोगों की मौजूदगी में उन्होंने मैदान, पवेलियन और अन्य प्रमुख हिस्सों का जायजा लिया। स्टेडियम



में तैयार की गई पिचों और खिलाड़ियों के लिए विकसित सुविधाओं को भी देखा गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य स्टेडियम को बड़े क्रिकेट आयोजन के लिए तैयार करने की स्थिति का आकलन करना रहा।

गंजारी स्टेडियम के उद्घाटन के लिए दो दिसंबर की तारीख पहले से प्रस्तावित है। अब जय शाह और राजीव शुक्ला के निरीक्षण के बाद इस तारीख को लेकर अंतिम निर्णय की उम्मीद बढ़ गई है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार उद्घाटन के अगले दिन यानी तीन दिसंबर से अंडर-19 क्रिकेट मुकाबले शुरू कराने की तैयारी है। प्रतियोगिता का पहला चरण तीन से छह दिसंबर और दूसरा चरण 11 से 14 दिसंबर के बीच आयोजित किए जाने की चर्चा है। हालांकि, उद्घाटन और मैचों के कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। स्टेडियम के निर्माण का काम लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अब मैदान को मैच के लिहाज से पूरी तरह तैयार करने, शेष फिनिशिंग कार्यों, पार्किंग, प्रवेश-निकास और दर्शकों की सुविधाओं को अंतिम रूप देने पर जोर है। बीसीसीआई की तकनीकी जांच और जरूरी मंजूरी भी आगामी मुकाबलों के आयोजन के लिए अहम होगी।

करीब 31 एकड़ में फैला यह स्टेडियम सिर्फ क्रिकेट का मैदान नहीं, बल्कि काशी की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को आधुनिक स्थापत्य के साथ जोड़ने का भी अनूठा प्रयास है।

आजम खान को कोर्ट से मिली थी राहत,18 दिन बाद आए जेल से बाहर

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को बुधवार को गाजियाबाद की डासना जिला जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया गया है। वे रामपुर के लिए रवाना हो गए हैं। आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान अपने पिता का स्वागत करने के लिए जेल परिसर पहुंचे थे; उनके साथ रढ नेता के समर्थक भी डासना जेल के बाहर इकट्ठा हुए थे।इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आजम खान को अंतरिम जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी से जुड़े अनिवार्य नियमों का प्रथम दृष्टया सख्ती से पालन नहीं किया गया था। जस्टिस राजीव गुप्ता और जस्टिस देवेंद्र सिंह की खंडपीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया, खान की गिरफ्तारी के समय संविधान के अनुच्छेद 22(1) और 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (PMLA) की धारा 19 के अनिवार्य प्रावधानों का सख्ती से पालन नहीं किया गया था। अदालत ने खान को एक पर्सनल बॉन्ड और उतनी ही राशि की दो जमानतें (sureties) देने पर रिहा करने का निर्देश दिया। उन्हें गाजियाबाद के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) की संतुष्टि के अनुसार जमानत बॉन्ड जमा करने होंगे। इस मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को तय की गई है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में आजम खान की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और इमरान उल्लाह पेश हुए। यह अंतरिम राहत समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता के खिलाफ एऊ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मिली है। रामपुर सदर से 10 बार विधायक रहे और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान, समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में से एक रहे हैं और उत्तर प्रदेश में लंबे समय से एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती रहे हैं।

जापान में भारत का दिखा दम: राजनाथ सिंह को मिला गार्ड ऑफ ऑनर, रक्षामंत्री ने अत्याधुनिक युद्धपोत स्टील्थ का भी किया निरीक्षण

तोक्यो, 18 नवम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बुधवार को जापान की उनकी यात्रा की शुरूआत में तोक्यो स्थित रक्षा मंत्रालय में औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया जिसके बाद वह अपने जापानी समकक्ष शिंजिरो कोइजुमी के साथ एक युद्धपोत का निरीक्षण करने योकोसुका गए। जापान में भारतीय दूतावास ने बताया कि सिंह के रक्षा मंत्रालय पहुंचने पर उन्हें 'गार्ड ऑफ



ऑनर' दिया गया और कोइजुमी ने उनकी मेजबानी की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सिंह भारत-जापान के विदेश एवं रक्षा मंत्रियों की चौथी वार्ता के लिए जापान की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। इस बैठक को 'टू प्लस टू' वार्ता भी कहा जाता है। इसमें दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि सिंह एवं कोइजुमी ने योकोसुका के फुनाकोशी इलाके का दौरा किया और जापान समुद्री आत्मरक्षा बल के युद्धपोत 'जेएस नातोरी' का निरीक्षण किया।

यह 'मोगामी' श्रेणी का बहुउद्देशीय युद्धपोत है जो दुश्मन की नजरों से बचने की तकनीक (स्टील्थ) से लैस है। मंत्रालय ने कहा, ''इस अत्याधुनिक, बहुउद्देशीय युद्धपोत के उपकरणों और उसकी परिचालन स्थिति का निरीक्षण करने से समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में ठोस सहयोग बढ़ाने तथा दोनों मंत्रियों के बीच विश्वास को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला।'' उसने कहा, ''हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए अपना सहयोग और मजबूत करेंगे।'' सिंह ने योकोसुका स्थित जेएमएसडीएफ के नौसैनिक अड्डे जाते समय 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनके जापानी समकक्ष ''एक बेहतरीन मेजबान की भूमिका निभा रहे हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध



NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

आसियान मंचः भारत का दबदबा, मोदी की कूटनीतिक गूंज



-ललित गर्ग

किसी देश का वैश्विक प्रभाव केवल उसकी आर्थिक शक्ति, सैन्य क्षमता या जनसंख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि विश्व की महत्वपूर्ण शक्तियाँ उसकी बात को कितनी गंभीरता से सुनती हैं। आज भारत इसी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। दक्षिण-पूर्व एशिया के 11 देशों के संगठन आसियान का भारत सदस्य नहीं है, फिर भी उसके सर्वोच्च सम्मेलनों में भारत की उपस्थिति जिस सम्मान और अपेक्षा के साथ होती है, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत है। हाल ही में फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुए 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय भागीदारी ने इस बदलती तस्वीर को और स्पष्ट किया है। यह दृश्य अपने आप में महत्वपूर्ण है कि भारत आसियान का सदस्य नहीं है, लेकिन आसियान की भविष्य-चर्चा में भारत को अलग रखकर क्षेत्रीय समीकरणों की कल्पना करना कठिन होता जा रहा है। यही भारत की कूटनीतिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। 1991 की ह्यलुक ईस्टह्व नीति से शुरू हुई यात्रा 2014 में ह्यएक्ट ईस्टह्व नीति और अब व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टि तक पहुंची है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं आसियान को भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के केंद्र में बताया है।

आसियान केवल भौगोलिक समूह नहीं है। यह आर्थिक शक्ति, समुद्री मार्गों, वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं और हिंद-प्रशांत की रणनीतिक राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र है। इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम, फिलीपींस, ब्रुनेई, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और तिमोर-लेस्ते जैसे देश भारत के लिए व्यापार, निवेश, समुद्री सुरक्षा, तकनीक और सांस्कृतिक संपर्क की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मनीला में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और आसियान को प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग को आधार बनाकर शांति, स्थिरता और विकास का वातावरण तैयार करना चाहिए। उन्होंने मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई और आसियान की एकता तथा केंद्रीयता को भारत के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह केवल कूटनीतिक भाषा नहीं है। इसके पीछे भारत की दीर्घकालीन रणनीति है-ऐसा हिंद-प्रशांत जिसमें किसी एक शक्ति का वर्चस्व न हो, छोटे देशों को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चलाने की जगह मिले और समुद्री मार्ग खुले रहें। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का एक विशिष्ट पक्ष यह है कि उन्होंने भारत को केवल बड़ा बाजार या उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय एक विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। मनीला में इसका प्रमाण अनेक द्विपक्षीय मुलाकातों में दिखाई दिया। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ मोदी ने रक्षा, अंतरिक्ष, रेल, वित्तीय तकनीक तथा व्यापार और निवेश में सहयोग की प्रगति पर चर्चा की। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ डिजिटल क्षेत्र, कौशल, संपर्क, स्वास्थ्य, रक्षा-सुरक्षा और आर्थिक सहयोग की समीक्षा हुई। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल के साथ व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क, डिजिटल तकनीक और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर विचार हुआ। मोदी की विदेश नीति का संदेश साफ है-भारत संबंधों का केवल दर्शक नहीं, बल्कि संबंधों की नई संरचना का सक्रिय निमार्ता बनना चाहता है। इस पूरी यात्रा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की राजनीतिक दृष्टि को वैश्विक कूटनीतिक संवाद में ठोस स्वरूप देने में जयशंकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे केवल विदेश मंत्रालय के प्रशासक नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था को समझने वाले रणनीतिक चिंतक के रूप में भारत की विदेश नीति का प्रभावी चेहरा बने हैं। भारत की विदेश नीति में आज एक साथ अमेरिका, रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया और आसियान देशों के साथ संबंधों को संतुलित रखने की क्षमता दिखाई देती है। यह संतुलन किसी एक खेमे में जाने के बजाय भारत के राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंधों को आकार देने की नीति को दशार्ता है। जयशंकर की कूटनीति का मूल संदेश भी यही रहा है कि भारत किसी शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपने हितों और अपनी सभ्यतागत दृष्टि के आधार पर विश्व से संबंध बनाएगा। प्रधानमंत्री की राजनीतिक सक्रियता और विदेश मंत्री की रणनीतिक कूटनीति का यह संयोजन भारत की विदेश नीति को अधिक प्रभावशाली बना रहा है।

मनीला सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति ने भी इस यात्रा को विशेष महत्व दिया। 17 नवंबर को मनीला में पहली बार क्वाड नेताओं का शिखर-स्तरीय संवाद हुआ, जिसमें मोदी, ट्रंप, जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची साने और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज शामिल हुए। इस घटनाक्रम का संदेश बहुत व्यापक है। भारत एक ओर आसियान के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड के माध्यम से हिंद-प्रशांत की रणनीतिक संरचना को भी मजबूत कर रहा है। इसका अर्थ किसी देश के विरुद्ध मोचेर्बंदी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, आपूर्ति शृंखलाओं, महत्वपूर्ण खनिजों, समुद्री सुरक्षा और तकनीकी सहयोग में साझेदारी को बढ़ाना है। यहां मोदी की विदेश नीति का एक नया आयाम दिखाई देता है-भारत अब शक्ति-संतुलन का निष्क्रिय हिस्सा नहीं, बल्कि शक्ति-संतुलन को प्रभावित करने वाला केंद्र बनना चाहता है। आसियान देशों के लिए चीन एक बड़ा आर्थिक साझेदार है, लेकिन उसके साथ समुद्री और रणनीतिक विवाद भी हैं। दक्षिण चीन सागर में तनाव, आर्थिक निर्भरता और क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा के बीच आसियान देश किसी एक शक्ति पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। यही भारत के लिए बड़ा अवसर है। भारत को चीन का विकल्प बनने की जल्दबाजी करने के बजाय विश्वसनीय विकल्प बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए व्यापार घाटे को कम करना, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाना, आपूर्ति शृंखलाओं में भागीदारी बढ़ाना, निवेश को प्रोत्साहित करना और भारत-आसियान संपर्क परियोजनाओं को तेजी देना आवश्यक है। मनीला में घोषित समुद्री सहयोग योजना, साइबर प्रशिक्षण, अंतरिक्ष सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, परमाणु ऊर्जा, युवाओं और स्टार्ट-अप सहयोग तथा नालंदा में आसियान देशों के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति जैसी पहलें इसी नई दिशा की ओर संकेत करती हैं।

भारत-आसियान संबंधों की सबसे बड़ी चुनौती व्यापार असंतुलन है। केवल आयात बढ़ाना या बाजार खोलना पर्याप्त नहीं होगा। भारतीय उद्योग को आसियान के बाजारों में अधिक आक्रामक, गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी उपस्थिति बनानी होगी। मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत की ताकत केवल अर्थव्यवस्था नहीं, उसकी संस्कृति भी है। रामायण की परंपरा से लेकर बौद्ध दर्शन, भारतीय भाषाओं, योग, आयुर्वेद और समुद्री व्यापार की प्राचीन स्मृतियों तक भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच सदियों पुराना संबंध है। आज आवश्यकता इस सभ्यतागत पूंजी को आधुनिक आर्थिक और तकनीकी साझेदारी से जोड़ने की है। मनीला सम्मेलन की सबसे बड़ी सीख यह है कि भारत को आसियान को केवल विदेश नीति की एक इकाई के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसे भारत के आर्थिक, सामरिक और सभ्यतागत पुनर्संपर्क का द्वार बनाना चाहिए। यदि भारत व्यापार, तकनीक, समुद्री सुरक्षा और संपर्क के साथ संस्कृति, शिक्षा और युवाओं को जोड़ देता है, तो आसियान भारत के लिए केवल एक बाजार नहीं रहेगा, वह भारत के हिंद-प्रशांत भविष्य का स्वाभाविक साझेदार बन सकता है। आज प्रधानमंत्री मोदी जिस आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंचों पर भारत की बात रखते हैं, उसके पीछे वर्षों की कूटनीतिक मेहनत, संस्थागत तैयारी और विदेश मंत्रालय की निरंतर सक्रियता है। आसियान में भारत की स्वीकार्यता इस बात का प्रमाण है कि भारत की आवाज अब केवल सुनी नहीं जाती, बल्कि उस पर ध्यान भी दिया जाता है। भारत की विदेश नीति का अगला लक्ष्य केवल विश्व में भारत की उपस्थिति दर्ज कराना नहीं होना चाहिए, लक्ष्य यह होना चाहिए कि विश्व की महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के निर्माण में भारत की निर्णायक भूमिका हो। आसियान का मनीला मंच इसी बदलते भारत की तस्वीर सामने रखता है-भारत अब दुनिया के दरवाजे पर दस्तक देने वाला देश नहीं रहा, वह ऐसी शक्ति बन रहा है जिसके साथ दुनिया अपने भविष्य की रणनीति पर विचार करना चाहती है। यही मोदी युग की विदेश नीति की सबसे बड़ी उपलब्धि और आने वाले भारत की सबसे बड़ी संभावना है।

मनीला से मुंबई तकः बदलती विश्व व्यवस्था में भारत का नया कूटनीतिक क्षितिज



अशोक भाटिया

इतिहास की धारा जब करवट लेती है, तो भौगोलिक दूरियां सिमटने लगती हैं और सामरिक समीकरण नए सिरे से परिभाषित होते हैं। फिलीपींस की राजधानी मनीला में संपन्न हुए 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन, 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और सातवें क्वाड शिखर सम्मेलन की गूंज केवल दक्षिण-पूर्व एशिया या प्रशांत महासागर की लहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इक्कीसवीं सदी के उस नए शक्ति-संतुलन की उद्घोषणा है, जिसके केंद्र में भारत खड़ा है। कन्याकुमारी के तटों से लेकर कश्मीर की वादियों और पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वारों तक, आज भारत की विदेश नीति का प्रभाव केवल कूटनीतिक गलियारों की चर्चा नहीं रह गया है, बल्कि यह देश के विभिन्न राज्यों के आर्थिक विकास, समुद्री सुरक्षा, पर्यटन और आम नागरिक की समृद्धि का सीधा आधार बन चुका है। मनीला में भारत की सक्रिय और निर्णायक उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नई दिल्ली अब वैश्विक मंचों पर केवल एक श्रोता या प्रतिक्रिया देने वाला राष्ट्र नहीं है, बल्कि वह नियम-आधारित विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख शिल्पकार बन चुका है।

मनीला का यह मंच ऐतिहासिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष 2007 में यहीं पहली बार भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने एक अनौपचारिक संवाद की नींव रखी थी, और 2017 में यहीं से क्वाड का पुनर्जन्म हुआ था। लगभग एक दशक बाद, जब 17 नवंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज एक साथ एक मंच पर आए, तो यह दो वर्षों के अंतराल के बाद क्वाड के शीर्ष नेतृत्व का पुनर्मिलन भर नहीं था। यह उस भू-राजनीतिक अनिश्चितता का ठोस जवाब था, जो पिछले कुछ समय से वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला और समुद्री मार्गों पर मंडरा रही थी। पहली बार क्वाड के किसी गैर-सदस्य देश में आयोजित हुए इस शिखर सम्मेलन ने यह संदेश दिया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति और स्थिरता किसी एक महाशक्ति के एकाधिकार या दबाव की राजनीति की मोहताज नहीं हो सकती। इस पूरे घटनाक्रम में भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलता 'संतुलन और स्वायत्तता' की कला का प्रदर्शन है। एक तरफ भारत ने क्वाड के मंच से समुद्री और आर्थिक दबाव तथा यथास्थिति को बलपूर्वक बदलने के एकतरफा प्रयासों के विरुद्ध स्पष्ट और मुखर रुख अपनाया, तो दूसरी तरफ आसियान की केंद्रीयता और एकता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। विश्व के कई हिस्से जब गुटबाजी, युद्ध और संरक्षणवाद की आग में झुलस रहे हैं, तब भारत ने मनीला के मंच से पूरी दुनिया को 'शांति, स्थिरता और पूवार्नुमेयता' का मंत्र दिया। यह भारत की 'बहु-संरेखण' नीति की परिपक्वता है कि वह एक ही समय में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर हिंद-प्रशांत की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, और दक्षिण-पूर्व एशिया के दस देशों के साथ अपनी 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

आर्थिक और सामरिक दृष्टि से देखें तो भारत और आसियान का संबंध आज किसी भी क्षेत्रीय साझेदारी से कहीं आगे निकल चुका है। वर्ष 2026 को 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है, और मनीला में इस दिशा में दीर्घकालिक कार्ययोजना पर मुहर लगी है। भारत के कुल वैश्विक व्यापार का दस प्रतिशत से अधिक हिस्सा आसियान देशों के साथ होता

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

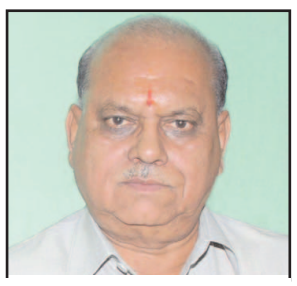
है, जो सवा सौ अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है। हालांकि, भारत के लिए चिंता का विषय व्यापार घाटा रहा है, जिसे पाटने के लिए अब पारंपरिक वस्तुओं के व्यापार से आगे बढ़कर नई तकनीक, डिजिटल अर्थव्यवस्था और 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। आधुनिक युग में लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा खनिज ही किसी देश की औद्योगिक और तकनीकी संप्रभुता तय करते हैं। किसी एक देश पर इन खनिजों की निर्भरता वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए कितना बड़ा जोखिम बन सकती है, यह दुनिया देख चुकी है। ऐसे में भारत द्वारा आसियान और क्वाड दोनों ही मंचों पर महत्वपूर्ण खनिजों के खनन, प्रसंस्करण और सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण का प्रस्ताव रखना दूरदर्शी कदम है।

इस वैश्विक कूटनीति का सबसे आकर्षक पक्ष इसका क्षेत्रीय और स्थानीय प्रभाव है, जो देश के दक्षिणी तटों से लेकर उत्तरी मैदानों तक नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। दक्षिण भारत के तटीय राज्यों—तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक—के लिए मनीला के समझौते किसी वरदान से कम नहीं हैं। हिंद महासागर में बिछाई जाने वाली 'अंडरसी केबल' (समुद्र के भीतर संचार केबल) परियोजनाएं और 'हिंद-प्रशांत समुद्री निगरानी सहयोग' चेन्नई, विशाखापत्तनम, कोच्चि और मंगलुरु जैसे प्रमुख बंदरगाहों को वैश्विक समुद्री व्यापार और डेटा ट्रांसफर का सबसे सुरक्षित केंद्र बनाएंगे। चोल साम्राज्य के समय से ही दक्षिण भारत के बंदरगाह दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापार और संस्कृति के सेतु रहे हैं। अब आधुनिक समुद्री सुरक्षा, नीली अर्थव्यवस्था और जहाजरानी के नए समझौतों से इन तटीय राज्यों में बंदरगाह- आधारित औद्योगिकीकरण और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। वहीं, पश्चिमी तट पर स्थित देश की आर्थिक राजधानी मुंबई जब 2027 की पहली तिमाही में पहले 'क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम' की मेजबानी करेगी, तो यह पूरे देश के उद्योग जगत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के केंद्र में ला खड़ा करेगी।

दूसरी ओर, उत्तर और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के लिए यह कूटनीतिक पहल संपर्क शिक्षा और धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन की नई क्रांति लेकर आ रही है। मनीला में भारत द्वारा सभी आसियान देशों के पर्यटकों के लिए निःशुल्क ई-टूरिस्ट वीजा की एकतरफा घोषणा का सीधा और सबसे बड़ा लाभ उत्तर भारत के पर्यटन सर्किट को मिलने वाला है। दक्षिण-पूर्व एशिया के लाखों नागरिकों के लिए भारत की भूमि केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि आस्था और विरासत का केंद्र है। बिहार के बोधगया, राजगीर और वैशाली से लेकर उत्तर प्रदेश के सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती और अयोध्या तक फैला बौद्ध और रामायण सर्किट आसियान पर्यटकों के स्वागत के लिए नए सिरे से तैयार हो रहा है। मुफ्त ई-वीजा की सुविधा से न केवल उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और दिल्ली के होटल उद्योग, परिवहन और स्थानीय हस्तशिल्प को अभूतपूर्व आर्थिक संबल मिलेगा, बल्कि सदियों पुराने सभ्यतागत संबंध भी पुनर्जीवित होंगे। इसके अतिरिक्त, बिहार स्थित प्राचीन ज्ञान केंद्र नालंदा विश्वविद्यालय में आसियान छात्रों के लिए छात्रवृत्तियों के विस्तार से उत्तर भारत एक बार फिर वैश्विक शिक्षा का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर होगा। इसी तरह, भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग और कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट प्रोजेक्ट जैसी परियोजनाएं पूर्वोत्तर भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों से जोड़कर क्षेत्रीय विकास की नई इबारत लिख रही हैं।

प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर भारत ने स्वयं को केवल तकनीक का उपभोक्ता बने रहने के बजाय 'सह-निमार्ता' के रूप में प्रस्तुत किया है। क्वाड द्वारा 'सुपर इंटेलिजेंस एक्सेलरेटर' को आगे बढ़ाना और भारत-आसियान के बीच 'स्पेस हैकाथॉन', परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर तकनीकी आदान-प्रदान तथा साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत करना इस बात का प्रमाण है कि बेंगलुरु और हैदराबाद से लेकर दिल्ली-एनसीआर और पुणे तक फैला भारत का आईटी और स्टार्टअप इकोसिस्टम अब वैश्विक भलाई के लिए अपनी क्षमताओं को साझा कर रहा है। आज ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध सीमाओं से परे एक वैश्विक संकट बन चुके हैं। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में ऑनलाइन घोटालों के विरुद्ध संयुक्त घोषणापत्र को अपनाना और साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना सीधे तौर पर देश के हर आम नागरिक की डिजिटल सुरक्षा से जुड़ा हुआ कदम है। समग्र रूप से देखें तो मनीला शिखर सम्मेलन ने भारत की विदेश नीति के उस आत्मविश्वास को रेखांकित किया है, जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर पूरे विश्व को गले लगाने की क्षमता रखता है। यह स्पष्ट है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मार्गों की स्वतंत्रता और उभरती प्रौद्योगिकियों के लोकतांत्रिक उपयोग की कोई भी रूपरेखा अब भारत की सक्रिय भागीदारी के बिना अधूरी है। हालांकि, चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। बदलते वैश्विक राजनीतिक समीकरणों के बीच क्वाड की एकजुटता को बनाए रखना, आसियान के साथ व्यापार असंतुलन को दूर करना और घोषित परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना भारतीय कूटनीति की अगली बड़ी परीक्षा होगी। फिर भी, मनीला से मुंबई तक की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि भारत अब समय की लहरों पर सवार होने के बजाय स्वयं दिशा तय करने की भूमिका में आ चुका है, जिसका सकारात्मक प्रभाव दक्षिण के बंदरगाहों से लेकर उत्तर के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक हर नागरिक के भविष्य पर दिखाई देगा।

बीजेपी का अखिलेश से बेहतर योगी वाला नैरेटिव



-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अगले वर्ष की शुरूआत के विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के बीच सीधा मुकाबला और तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी इस चुनावी जंग को 'अखिलेश से बेहतर योगी' के नैरेटिव पर ले जाने की तैयारी कर रही है, जहां एक तरफ योगी सरकार के कामकाज और कड़क प्रशासनिक छवि को रखा जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ पूर्ववर्ती सपा सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और विभिन्न दलों के बयानों के आधार पर देखें तो यह लड़ाई दो बिल्कुल अलग कार्यशैलियों, विचारधाराओं और राजनीतिक रणनीतियों का टकराव बन गई है। भाजपा और योगी समर्थकों का मानना है कि आमने-सामने की इस सियासी लड़ाई में योगी आदित्यनाथ के पास अपनी उपलब्धियां गिनाने के लिए कामकाज की एक लंबी फेहरिस्त है। योगी सरकार के समर्थक एक्सप्रेसवे नेटवर्क के विस्तार, नए हवाई अड्डों, निवेश सम्मेलनों और अयोध्या व काशी विश्वनाथ कॉरिडोर जैसे सांस्कृतिक व बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों को अपनी बड़ी सफलता के रूप में पेश करते हैं। इसके विपरीत, भाजपा नेताओं का आरोप है कि विकास के मोर्चे पर अखिलेश यादव सरकार का रिकॉर्ड सीमित रहा और वे केवल आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे या लखनऊ मेट्रो जैसे कुछ चुनिंदा प्रोजेक्ट्स का ही जिक्र कर पाते हैं। हालांकि, समाजवादी पार्टी के समर्थक और स्वयं अखिलेश यादव इस दावे को खारिज करते हैं। उनका कहना है कि उनके शासनकाल में शुरू की गई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, डायल-100 पुलिस सेवा और लैपटॉप वितरण जैसी योजनाओं ने ही आधुनिक उत्तर प्रदेश की नींव रखी थी।

कानून-व्यवस्था और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा इस पूरी राजनीतिक बहस के केंद्र में है। भाजपा की ओर से यह आरोप लगातार लगाया जाता रहा है कि 2012 से 2017 के बीच अखिलेश यादव के शासनकाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी, सपा नेताओं की गुंडागर्दी और जमीनों पर अवैध कब्जों की घटनाओं ने आम जनता को परेशान किया था और माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। आलोचकों के अनुसार, यह छवि आज भी अखिलेश यादव का पीछा नहीं छोड़ रही है। इसके ठीक विपरीत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'माफिया को मिट्टी में मिलाने' और भू-माफियाओं पर शिकंजा कसने की नीति को अपनी सरकार की सबसे बड़ी पहचान बनाया है। माफियाओं की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने योगी की छवि एक सख्त और निर्णायक प्रशासक की बनाई है, जिसे भाजपा 'सुरक्षा और सुशासन' के मॉडल के रूप में प्रचारित करती है। दूसरी ओर, अखिलेश यादव और विपक्षी दल बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे असंवैधानिक बताते हैं और वर्तमान सरकार पर दलितों व अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार तथा फर्जी मुठभेड़ों के आरोप लगाते हैं। धार्मिक और सामाजिक समीकरणों के मोर्चे पर भी दोनों नेताओं की रणनीतियां स्पष्ट रूप से बंटी हुई दिखाई देती हैं। भाजपा और उसके समर्थक अखिलेश यादव पर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हैं। उनका कहना है कि सपा की राजनीति एक विशेष वर्ग के वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती है और अल्पसंख्यकों के सही-गलत हर कदम पर आंखें मूंद लेने की प्रवृत्ति ने बहुसंख्यक समाज में नाराजगी पैदा की है। इसके अलावा, राम मंदिर निर्माण के दौरान चंदा चोरी जैसे आरोपों को लेकर भाजपा समर्थक सपा पर हिंदू आस्था और धर्म को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप मढ़ते हैं। भाजपा का मानना है कि हिंदू वोटों को जातियों में बांटने के लिए ही अखिलेश यादव ने 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का नारा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर तीखा हमला बोलते हुए पीडीए को 'परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी' तक करार दिया है और आरोप लगाया है कि सपा की राजनीति केवल एक परिवार के विकास तक सीमित रही है।

हालांकि, अखिलेश यादव की इस पीडीए रणनीति को राजनीतिक गलियारों में एक सोची-समझी काट के रूप में भी देखा जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश में 37 सीटें जीतने के बाद सपा खेमे का उत्साह बढ़ा है और वह इसे अपने सामाजिक न्याय के फॉर्मूले की जीत मानता है। अखिलेश यादव का तर्क है कि भाजपा की '80 बनाम 20' की राजनीति अब '95 बनाम 5' में बदल चुकी है, जहां 95 प्रतिशत पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग अपने अधिकारों और आरक्षण की रक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं। वे योगी सरकार पर बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली जैसे बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए हिंदुत्व का सहारा लेने का आरोप लगाते हैं। वहीं, योगी आदित्यनाथ के समर्थक मानते हैं कि हिंदुत्व और विकास का उनका एजेंडा जातिगत राजनीति से कहीं ऊपर है। भाजपा का दावा है कि मुफ्त राशन, आवास योजना और स्वास्थ्य बीमा जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी जाति या धर्म के भेदभाव के समाज के हर वर्ग को मिला है, जिससे जातीय ध्रुवीकरण की राजनीति कमजोर पड़ी है। योगी की कड़क प्रशासनिक शैली, धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार और निवेश आकर्षित करने की नीतियों के सामने भाजपा समर्थक अखिलेश यादव को काफी पीछे मानते हैं। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश की राजनीति आज दो स्पष्ट ध्रुवों पर खड़ी नजर आती है। एक तरफ योगी आदित्यनाथ का राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सख्त कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास का दावा है, तो दूसरी तरफ अखिलेश यादव का सामाजिक न्याय, पीडीए गठबंधन और सरकार की कथित विफलताओं को उजागर करने का अभियान है। आने वाले समय में जनता किसके दावों पर भरोसा करती है, यही तय करेगा कि लखनऊ की सत्ता की चाबी किसके हाथ में रहेगी।

यूपी की सियासी बिसात पर ठाकुर नेताओं की नई लामबंदी



-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा से सत्ता की चाबी रहे हैं। लेकिन नवंबर 2026 की सर्द हवाओं के बीच प्रदेश के सियासी गलियारों में एक नई गर्माहट महसूस की जा रही है। यह गर्माहट किसी एक राजनीतिक दल के दफ्तर से नहीं, बल्कि धार्मिक मंचों, व्यक्तिगत सुख-दुख के आयोजनों और बेबाक बयानों से निकल रही है। केंद्र में हैं कैसरगंज से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और प्रतापगढ़ की कुंडा रियासत के दिग्गज नेता व जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया। हाल ही में कुंडा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की रामकथा के मंच से बृजभूषण शरण सिंह द्वारा राजा भैया के समर्थन में दिए गए बयान और उन्नाव कांड में सजायाफ्ता पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के परिवार के पक्ष में खड़े होने के ऐलान ने एक बड़े राजनीतिक विमर्श को जन्म दे दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश में ठाकुर (क्षत्रिय) नेतृत्व राजनीतिक दलों की सीमाओं से ऊपर उठकर एक नई सामाजिक और राजनीतिक गोलबंदी कर रहा है? इस पूरे घटनाक्रम की सबसे ताजा तस्वीर प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में देखने को मिली। कुंडा विधायक राजा भैया के संयोजन में आयोजित बागेश्वर महाराज की रामकथा में जब पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पहुंचे, तो मंच का नजारा केवल धार्मिक नहीं रह गया। मंच से बृजभूषण शरण सिंह ने राजा भैया का हाथ पकड़कर भीड़ की ओर इशारा करते हुए कहा कि राजा भैया का दबदबा पहले भी था, आज भी है और आगे भी रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने दोनों नेताओं के बीच दरार डालने की कोशिश करने वालों को भी कड़ा संदेश दिया। राजनीतिक विश्लेषकों के लिए यह दृश्य बेहद महत्वपूर्ण है। कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया और सियासी गलियारों में इस बात पर बहस छिड़ी हुई थी कि पूर्वांचल और अवध की राजनीति में ठाकुरों का सबसे बड़ा चेहरा कौन है बृजभूषण शरण सिंह या राजा भैया? जनवरी 2026 में गोंडा में बृजभूषण शरण सिंह द्वारा आयोजित राष्ट्रकथा में जब राजा भैया नहीं पहुंचे थे, तब दोनों के बीच अघोषित प्रतिस्पर्धा की अटकलें लगाई गई थीं। लेकिन कुंडा पहुंचकर बृजभूषण ने न केवल उन अटकलों पर विराम लगाया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि वे राजा भैया को अपना सुख-दुख का साथी मानते हैं। इस मंच पर पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान जैसे नेताओं की मौजूदगी ने इस जमावड़े को और भी खास बना दिया।

कुंडा के कार्यक्रम के ठीक आसपास बृजभूषण शरण सिंह का एक और बयान सुर्खियों में आया, जिसने राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया। उन्नाव दुष्कर्म कांड में सजा काट रहे पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के परिवार को लेकर बृजभूषण ने खुले तौर पर कहा कि यदि सेंगर के परिवार से कोई भी व्यक्ति चुनाव मैदान में उतरता है, तो वे पूरी मजबूती के साथ उसके साथ खड़े होंगे और समर्थन करेंगे। इससे पहले भी जब सेंगर को कोर्ट से राहत या जमानत से जुड़ी खबरें आई थीं, तब बृजभूषण ने उनके समर्थन में बयान देते हुए कहा था कि सेंगर के खिलाफ उसी तरह षड्यंत्र रचा गया, जैसा उनके (बृजभूषण) खिलाफ रचा गया था। बृजभूषण का यह रुख कई मायनों में अहम है। कुलदीप सिंह सेंगर को भाजपा पहले ही पार्टी से निष्कासित कर चुकी है, और मुख्यधारा के राजनीतिक दल इस मामले पर खुलकर बोलने से बचते हैं। ऐसे में भाज

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आसे में स्वास्थ्य व पोषण जागरूकता शिविर आयोजित



पालघर(उत्तरशक्ति)। भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव दिवस सप्ताह के अवसर पर आदिवासी समाज के नागरिकों के स्वास्थ्य संवर्धन, बीमारियों का समय पर पता लगाने तथा पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एकात्मिक आदिवासी विकास परियोजना, जव्हार की ओर से आसे (तहसील मोखाडा) स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई। इस दौरान कुल 101 लाभार्थियों की स्वास्थ्य जांच की गई। आदिवासी बहुल क्षेत्र में गंभीर स्वास्थ्य समस्या माने जाने वाले सिकलसेल रोग की जांच पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके तहत 43 लोगों की जांच की गई, जिसमें एक व्यक्ति सिकलसेल वाहक पाया गया, जबकि सिकलसेल से पीड़ित एक भी मरीज नहीं मिला।शिविर में गर्भवती महिलाओं एवं प्रसव के बाद माताओं की स्वास्थ्य जांच के साथ गैर-संचारी रोगों की पहचान पर भी विशेष जोर दिया गया। इसके तहत 16 गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच (एएनसी), दो महिलाओं की प्रसवपश्चात जांच (पीएनसी) तथा 35 लोगों की गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच की गई। इसके अलावा छह लोगों में उच्च रक्तचाप (एचटीएन) और चार लोगों में मधुमेह (डीएम) की जांच की गई। जांच के दौरान रक्तक्षय का कोई मरीज नहीं मिला, जबकि अन्य बीमारियों से संबंधित 36 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। स्वास्थ्य शिविर में केवल जांच तक ही सीमित न रहते हुए सभी 101 लाभार्थियों को स्वास्थ्य देखभाल, संतुलित आहार, उचित पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में मार्गदर्शन और परामर्श दिया गया। नागरिकों को बीमारियों का समय पर पता लगाने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा पौष्टिक आहार अपनाने के महत्व के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को मिली समय सीमा में विस्तार

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र सहित सात राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (Special Intensive Revision – SIR-2026) की समय-सारिणी में संशोधन करते हुए इसकी समय सीमा बढ़ा दी है। आयोग द्वारा 17 नवंबर 2026 को जारी पत्र क्रमांक 23/2026-ERS (Vol. II) के अनुसार अब ASDD श्रेणी के मतदाताओं के गणना प्रपत्रों (Enumeration Forms) के वितरण एवं संकलन की प्रक्रिया 30 नवंबर 2026 तक पूरी की जायेगी। वहीं महाराष्ट्र की अंतिम मतदाता सूची 22 दिसंबर 2026 को प्रकाशित की जायेगी।

जिला प्रशासन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार ASDD (Absent, Shifted, Dead and Duplicate) यानी अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं से संबंधित गणना प्रपत्रों की तैयारी एवं छपाई का कार्य 18 नवंबर 2026 तक पूरा किया जायेगा। इसके बाद 18 से 30 नवंबर तक इन प्रपत्रों का वितरण एवं संकलन किया जायेगा। संबंधित प्रपत्रों के निस्तारण की अंतिम तिथि 10 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण के अगले चरणों की समय-सारिणी में भी बदलाव किया गया है। इसके तहत दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2026 तय की गई है, जबकि अंतिम मतदाता सूची 22 दिसंबर 2026 को प्रकाशित होगी। यह संशोधित कार्यक्रम महाराष्ट्र के अलावा आंध्र प्रदेश, दिल्ली, नागालैंड, तेलंगाना, हरियाणा एवं झारखंड में भी लागू किया गया है। पालघर जिले के सभी पात्र मतदाताओं से अपील की गई है कि वे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान संबंधित मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारियों (BLO) को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। विशेष रूप से ASDD श्रेणी में शामिल मतदाता अपनी मतदाता पंजीकरण संबंधी जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेज निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित BLO के पास जमा कराएं, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाया जा सके। इसके साथ ही सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ERO), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (AERO) एवं मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारियों (BLO) को आयोग के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए गये हैं। जिला प्रशासन द्वारा संशोधित कार्यक्रम की जानकारी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों, राजनीतिक दलों एवं आम नागरिकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जा रही है।

ग्लोबल सिटिजन स्कॉलरशिप 2027 की आवेदन प्रक्रिया शुरू

मुंबई। लीडिंग एजुकेशन नेटवर्क ग्लोबल स्कूल्स ग्रुप (जीएसजी) ने अपने प्रमुख ग्लोबल सिटिजन स्कॉलरशिप (जीसीएस) कार्यक्रम के 2027 संस्करण के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। यह एक वार्षिक पहल है, जिसके तहत चयनित छात्रों को सिंगापुर स्थित समूह के प्रमुख कैंपस में अपनी उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कॉलरशिप कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मविश्वासी, सक्षम एवं रचनात्मक सोच वाले ग्लोबल सिटीजन के रूप में विकसित करना है। ग्लोबल सिटिजन स्कॉलरशिप कार्यक्रम के तहत देशभर से शैक्षणिक रूप से प्रतिभाशाली और योग्य छात्रों का चयन किया जाता है। चयनित छात्रों को सिंगापुर स्थित जीआईआईएस स्मार्ट कैंपस में कक्षा 11वीं और 12वीं की पढ़ाई करने का अवसर मिलता है। इस दो वर्षीय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की 100 प्रतिशत ट्यूशन फीस, आवास एवं रहने-संबंधी खर्चों का वहन किया जाता है। जीआईआईएस स्मार्ट कैंपस में छात्र सीबीएसई और इंटरनेशनल बैकलॉरिएट डिप्लोमा प्रोग्राम (आईबीडीपी) में से किसी एक पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं। यहां आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्रों को वैश्विक दृष्टिकोण पर आधारित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त, चयनित छात्रों को आवास, भोजन और निर्धारित भत्ता भी प्रदान किया जाता है, ताकि वे आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर अपनी पढ़ाई और व्यक्तिगत विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

तीन महीने में मीरा-भायंदर को मिलेगा 218 एमएलडी पानी: मंत्री प्रताप सरनाईक का दृढ़ संकल्प

●सूर्या परियोजना के काम में बाधा डालने वाले अब श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं: विधायक नरेंद्र मेहता और महापौर डिंपल मेहता के आरोपों पर सरनाईक का तीखा पलटवार



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर की पानी की समस्या को लेकर महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक ने विधायक नरेंद्र मेहता और महापौर डिंपल मेहता पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शहर के नागरिकों को उनके हक का 218 एमएलडी पानी उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और अगले तीन महीनों में इसके लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी कर वास्तविक जलापूर्ति शुरू की जाएगी। मंत्री सरनाईक की यह प्रतिक्रिया विधायक नरेंद्र मेहता और महापौर डिंपल मेहता द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सामने आई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों जनप्रतिनिधियों ने सरनाईक पर लगाए गए आरोपों को निराधार, भ्रामक और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाला बताया था। इस पर पलटवार करते हुए सरनाईक ने कहा कि मीरा-भायंदर जैसे महत्वपूर्ण शहर के पानी के मुद्दे पर केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस करके राजनीति करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। जो लोग सूर्या परियोजना के माध्यम से शहर को पानी उपलब्ध कराने वाले चेना गांव के पास स्थित जलकुंड के निर्माण का विरोध कर रहे हैं, उन्हें पहले इस काम में आई बाधाओं का जवाब देना चाहिए। जलकुंड के काम में बाधा डालने का लगाया आरोप मंत्री सरनाईक ने आरोप लगाया कि जब सूर्या परियोजना की पाइपलाइन का काम चल रहा था, तब कुछ लोगों ने ठेकेदार से मुलाकात नहीं करने जैसे बहाने बनाकर परियोजना के काम में बाधाएं उत्पन्न की थीं। उन्होंने दावा किया कि विधायक नरेंद्र मेहता के विधायक बनने से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में उन्होंने पाइपलाइन के काम के लिए 150 करोड़ रुपये की अतिरिक्त निधि मंजूर कराई थी। सरनाईक के मुताबिक, चेना गांव के पास जलकुंड का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद उसे रोक दिया गया था। इस मामले में उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री से शिकायत की, जिसके बाद मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से मेट्रो और जलकुंड का काम दोबारा शुरू कराया गया। उन्होंने विधायक नरेंद्र मेहता से संबंधित बताई जा रही '711 कंपनी' पर भी जलकुंड के काम में बाधा डालने का आरोप लगाया। सरनाईक ने दावा किया कि इस संबंध में एमएमआरडीए की ओर से संबंधित कंपनी को जारी किया गया पत्र महत्वपूर्ण दस्तावेजी सबूत है। उन्होंने सवाल उठाया कि जो लोग खुद इस परियोजना के काम में बाधा डालने के लिए जिम्मेदार हैं, वे आज पानी के मुद्दे पर दूसरों पर आरोप कैसे लगा सकते हैं? सूर्या परियोजना से 503 एमएलडी पानी का प्रावधान मंत्री सरनाईक ने सूर्या परियोजना के जल आरक्षण की स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि इस परियोजना से कुल 503 एमएलडी पानी उपलब्ध होने का प्रावधान है। इसमें मीरा-भायंदर के लिए 218 एमएलडी, वसई-विरार के लिए 175 एमएलडी, सीआईडीसीओ के एक गांव की परियोजना के लिए 30 एमएलडी तथा ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र के घोड़बंदर गांव के लिए 70 एमएलडी पानी आरक्षित किया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में यह जल आरक्षण निर्धारित किया गया था। सरकारी स्तर पर कानूनी रूप से तय किए गए जल आरक्षण को कोई भी व्यक्ति अपनी मर्जी से बदल नहीं सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि बैठक के सूचना पत्र को उसके पूरे संदर्भ में समझे बिना राजनीतिक आरोप लगाकर नागरिकों के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है।

अनिल कुमार सिंह की हाईस्कूल की मूल अंकतालिका गुम

मुंबई(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के लंभुआ निवासी अनिल कुमार सिंह, पुत्र श्री रमेश सिंह की हाईस्कूल (कक्षा 10वीं) की मूल अंकतालिका कहीं गुम हो गई है। काफी खोजबीन के बावजूद अंकतालिका का पता नहीं चलने पर उन्होंने संबंधित लोगों से इसे खोजने में सहयोग करने की अपील की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल कुमार सिंह ने वर्ष 1977 में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहाबाद से विज्ञान विषय समूह के अंतर्गत हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उनकी अंकतालिका का अनुक्रमांक (रोल नंबर) 223047 है। उन्होंने एन.आई.सी. कादीपुर, सुल्तानपुर (उत्तर प्रदेश) विद्यालय से शिक्षा प्राप्त की थी। अंकतालिका में उनकी जन्मतिथि 30 दिसंबर 1960 दर्ज है।अंकतालिका काफी समय से नहीं मिलने के कारण अनिल कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहाबाद में डुप्लीकेट अंकतालिका प्राप्त करने के लिए आवेदन भी किया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को उनकी उक्त हाईस्कूल की मूल अंकतालिका कहीं मिलती है, तो कृपया नीचे दिए गये मोबाइल नंबर अथवा पते पर संपर्क कर इसकी सूचना दें, ताकि अंकतालिका उन्हें वापस मिल सके। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि गुम हुई अंकतालिका का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जायेगी। संपर्क विवरण में नामः अनिल कुमार सिंह, मोबाइल नंबरः 8788674214, स्थायी पता - ग्राम एवं पोस्ट चापर, लंभुआ, जिला सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश-222303 एवं पत्राचार का पता - एकता सुप्रभात एचएसजी सोसायटी लिमिटेड, फ्लैट नंबर 1601, 16वीं मंजिल, सिद्धार्थ नगर, गोरेगांव पश्चिम, रोड नंबर 16, मुंबई - 400104 है।

नागरी संरक्षण दल में डॉ. स्मिता सुधीर मालवदे को मिली मानसेवी निदेशक पद की जिम्मेदारी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। नागरी संरक्षण विभाग, तारापुर विभाग, बोईसर में डॉ. स्मिता सुधीर मालवदे को मानसेवी निदेशक पद पर नियुक्त किया गया है। पालघर नागरी संरक्षण दल के उपनियंत्रक के. आर. कुरकुटे के हाथों उन्हें बोईसर विभाग के निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बतादें कि डॉ. स्मिता मालवदे शिक्षा, सामाजिक सेवा, साहित्य, पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागृति के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वे ठिणगी सामाजिक सेवा संस्था की अध्यक्ष, नागरी संरक्षण दल की निदेशिका, समाजसेविका, लेखिका, कवयित्री, चारोलीकार एवं हास्यकवयित्री के रूप में अपनी अलग पहचान रखती हैं। इसके साथ ही वे व्यावसायिक संवादक, मोटिवेशनल स्पीकर एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ भी हैं। उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से भी सम्मानित किया गया है। साहित्य के क्षेत्र में उनके सुख-दुःखाच्या हिंदोळ्यावर, थोर महापुरुष, मनाच्या लेखणीतून और चिंतन जैसे साहित्यिक संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। उनके सामाजिक, शैक्षणिक एवं साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें अनेक पुरस्कारों, ट्रॉफियों एवं प्रशस्तिपत्रों से सम्मानित किया गया है। उनकी प्रमुख उपलब्धियों में महाराष्ट्र शासन का प्रतिष्ठित सावित्रीबाई फुले आदर्श शिक्षिका पुरस्कार शामिल है। इसके अलावा वर्ष 2015-16 में महाराष्ट्र भारतीय शिक्षण मंडल की ओर से उन्हें नाविन्यपूर्णशील शिक्षिका पुरस्कार प्रदान किया गया। इंडो-नेपाल समरसता कार्यक्रम में शिक्षक श्री पुरस्कार से भी उन्हें सम्मानित किया गया है। मुंबई विभाग में आदर्श मुख्याध्यापिका के रूप में उन्हें श्री शिवाजी शेंडगे के हाथों तथा मंत्री विपुल गोयल की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। वहीं वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे के हाथों उन्हें समाजसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मान प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त जालना में उत्कृष्ट सूत्रसंचालन एवं निवेदन के लिए उनका विशेष सम्मान किया गया। तालुकास्तरीय विज्ञान प्रदर्शन शिक्षक स्पर्धा में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विभिन्न कार्यक्रमों में वे प्रमुख अतिथि, परीक्षक एवं मार्गदर्शक के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियां प्रभावी ढंग से निभाती रही हैं। उनकी इन उपलब्धियों और सामाजिक कार्यों को देखते हुए नागरी संरक्षण विभाग में मानसेवी निदेशक पद की जिम्मेदारी मिलना उनके लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इस नियुक्ति से उनके अनुभव एवं कार्यक्षमता का लाभ नागरी संरक्षण विभाग को मिलेगा, ऐसी अपेक्षा व्यक्त की जा रही है।नियुक्ति समारोह का संचालन विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश म्हस्के ने किया। डॉ. स्मिता मालवदे की इस नियुक्ति पर विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।



मुंबई की वातानुकूलित लोकल ट्रेनों में गद्देदार सीटें लगाने की मांग

◆भाजपा नेता शुभांशु दीक्षित ने रेल मंत्री को पत्र लिखा

◆अधिक किराया देने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की मांग



मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई की वातानुकूलित लोकल ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक सीटें उपलब्ध कराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इसके अलावा शाम के समय अंबरनाथ, बदलापुर जाने वाले यात्रियों की यात्रा सुखमय बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा वातानुकूलित लोकल ट्रेन चलाने की मांग तेज हो गई है।भारतीय जनता पार्टी के उत्तर मध्य मुंबई जिला महासचिव शुभांशु दीक्षित ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर मुंबई की एसी लोकल ट्रेनों में गद्देदार सीटें लगाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि एसी लोकल ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों का किराया सामान्य लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास यात्रियों से अधिक होता है। वे भुगतान कर रहे हैं, इसलिए उन्हें बेहतर और आरामदायक बैठने की सुविधा मिलनी चाहिए।शुभांशु दीक्षित ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि मुंबई की एसी लोकल ट्रेनों में फिलहाल लोहे की सख्त सीटें लगी हैं, जबकि सामान्य नॉन-एसी लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास डिब्बों में गद्देदार सीटें उपलब्ध हैं। ऐसे में एसी लोकल ट्रेनों के यात्रियों को अधिक किराया देने के बावजूद अपेक्षाकृत कम आरामदायक सीटों पर सफर करना पड़ता है। उन्होंने इस व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया है कि सीटों के डिजाइन और व्यवस्था को अंतिम रूप देने से पहले, दैनिक यात्रियों और यात्री संगठनों के साथ चर्चा की जानी चाहिए। इसके अलावा शुभ्रांशु दीक्षित ने मध्य रेलवे के विभागीय प्रबंधक से शाम के समय अंबरनाथ, बदलापुर के लिए ज्यादा से ज्यादा वातानुकूलित लोकल ट्रेन चलाने की मांग की है।

मीरा रोड पुलिस की बड़ी कार्रवाई: महज 5 घंटे में चोरी का मामला सुलझाया, 5.50 लाख रुपये बरामद

टेंपो के डैशबोर्ड में रखी नकदी चुराकर फरार हुए आरोपी को पुलिस ने वडाला रेलवे स्टेशन से दबोचा



मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए चोरी की एक वारदात को महज पांच घंटे के भीतर सुलझाने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने टेंपो के डैशबोर्ड में रखे 5 लाख 50 हजार रुपये चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की पूरी रकम बरामद कर ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 16 नवंबर 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच शिकायतकर्ता अक्रम समसुल्ला चौधरी (51), निवासी भांडुप पश्चिम, मुंबई, मीरा रोड पूर्व स्थित शीतल नगर परिसर में पुराने सामान की खरीदारी के लिए टाटा टेंपो क्रमांक टल्-04-एछ-7328 किराये पर लेकर आए थे। इस दौरान उन्होंने खरीदारी के लिए अपने टेंपो के डैशबोर्ड में 5 लाख 50 हजार रुपये नकद रखे थे। खरीदारी के लिए जाने के दौरान अज्ञात व्यक्ति ने टेंपो के डैशबोर्ड से उक्त नकदी चोरी कर ली। इस मामले में शिकायतकर्ता की शिकायत पर मीरा रोड पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 637/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 305 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपी को दबोचा मामला दर्ज होते ही मीरा रोड पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण टीम ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला संदिग्ध टेंपो चालक सलमान सलीमअली खान (27), निवासी डोंगरी, सात रास्ता, मुंबई है। पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपी वडाला रेलवे स्टेशन परिसर में मौजूद है और वहां से रेलवे स्टेशन की दिशा में जाने की तैयारी में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल वडाला रेलवे स्टेशन परिसर में जाल बिछाया। इसी दौरान आरोपी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पुलिस की नजर में आ गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसके पास से चोरी की गई पूरी 5 लाख 50 हजार रुपये की नकदी बरामद कर ली। इस प्रकार मीरा रोड पुलिस ने मामला दर्ज होने के महज पांच घंटे के भीतर आरोपी का पता लगाकर चोरी की पूरी रकम बरामद करने में सफलता हासिल की।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण (भा.पो.से.), परिमंडल-1, मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय, सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मेघना बुरांडे के मार्गदर्शन में की गई। इस कार्रवाई में पुलिस उपनिरीक्षक अज्ञानराव साळगर, पुलिस हवलदार हनुमंत तेरवे, बालाजी हरने, संतोष इंगोले, राहुल झावड़े, परेश पाटील तथा पुलिस अमलदार मेढे और चंद्रदीप दासरे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मीरा रोड पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से चोरी के मामले को कम समय में सुलझाने और पूरी नकदी बरामद करने में सफलता मिली है। मामले की आगे की जांच जारी है।

भिवंडी में शिवसेना ने स्व. बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। हिंदू हृदय सम्राट एवं शिवसेना के संस्थापक स्व. बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के अवसर पर शिवसेना की 14वीं शहर जिला शाखा, अजय नगर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिवसेना पदाधिकारियों एवं शिवसैनिकों ने बालासाहेब ठाकरे के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और नमन किया।कार्यक्रम में शिवसेना सहसंपर्क प्रमुख मनोज गगे, पूर्व शहर प्रमुख गजेंद्र गुलवी, पश्चिम शहर प्रमुख प्रदीप बोडके, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, पूर्व शहर संघटिका स्वातीताई भावार्थे तथा पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान मनोज गगे, प्रदीप बोडके एवं गजेंद्र गुलवी ने बालासाहेब ठाकरे के चित्र पर पुष्पहार अर्पित किया। वहीं छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर संतोष हकारे एवं संतोष वेमुला ने पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया। इस अवसर पर वैशालीताई मेस्त्री, मोहन वल्लाल, योगिता अहिरे, राजू पातकर, हर्षल राऊत, संतोष हकारे, संतोष वेमुला, लक्ष्मण हुंबारकर, स्वप्नील जोशी, संगीता जोशी, नितीन काठवले, मामा पुण्यार्थी, कुमार श्रीराम, विजय कुंभार, विजय बलावकर, शंकर खामकर, अशोक गुप्ता, नाना झलके, भाई वनगे, पुरुषोत्तम वेमुल, बालाजी गुलवी, गणेश मोरे, संतोष भावार्थे, नरेश शिवदे, मयूर कदम, गणेश घोसके, नावीद अन्सारी, नौशाद अन्सारी, रमेश धोत्रे, श्रीकांत बागल, शांताराम जाधव एवं वाजिद अली पडियार सहित बड़ी संख्या में शिवसेना पदाधिकारी, महिला आघाड़ी की पदाधिकारी एवं शिवसैनिक उपस्थित रहे।

दिघाशी में हाईटेंशन बिजली लाइन से प्रभावित किसानों को दिसंबर में मिलेगा मुआवजा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के दिघाशी गांव से गुजरने वाली महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी की अति उच्चदाब बिजली लाइन परियोजना से प्रभावित किसानों को जल्द ही नुकसान का मुआवजा मिलने की उम्मीद जगी है। पिछले दो से तीन वर्षों से मुआवजे के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे किसानों की समस्या को लेकर शिवसेना नेता प्रकाश पाटिल ने पहल करते हुए प्रभावित किसानों के साथ भिवंडी के उपविभागीय अधिकारी अमित सानप से मुलाकात की और लंबित मुआवजे का मामला तत्काल निपटाने की मांग की। इस पर प्रशासन की ओर से आगामी दिसंबर महीने में सभी प्रभावित किसानों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया है। गौरतलब है कि दिघाशी गांव से गुजरने वाली अति उच्चदाब बिजली लाइन परियोजना के कारण कई किसानों की कृषि भूमि, फलदार पेड़ों और अन्य वृक्षों को नुकसान पहुंचा है। इसके बावजूद पिछले करीब तीन वर्षों से किसानों को मुआवजा नहीं मिल पाया था। किसान लगातार प्रशासन से पत्राचार और निवेदन के माध्यम से न्याय की मांग कर रहे थे, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा था। शिवसेना नेता प्रकाश पाटिल ने इस मामले में स्वयं हस्तक्षेप करते हुए प्रभावित किसानों को साथ लेकर उपविभागीय अधिकारी अमित सानप से मुलाकात की। बैठक में किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने की मांग की गई।



प्रशासन द्वारा दिसंबर में मुआवजा वितरित करने का आश्वासन दिए जाने से लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे किसानों को बड़ी राहत मिली है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष, स्कॉर्पियो से कुचलकर दो की मौत, सात घायल

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़-जौनपुर हाईवे से सटे गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के चक मुफ्तफाबाद में बुधवार को जमीनी विवाद ने ऐसा हिंसक रूप ले लिया कि दो लोगों की जान चली गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। आरोप है कि जमीन को लेकर चल रहे विवाद में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से कुचल दिया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से मौके पर चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

घटना के बाद चक मुफ्तफाबाद सहित आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था।

इसी विवाद के दौरान स्कॉर्पियो से लोगों को कुचलने का आरोप सामने आया है। वाहन की चपेट में आने से कई लोग गंभीर रूप से चोटिल हो गए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से किसी को संभलने तक का मौका

जौनपुर में सनसनी

नहीं मिला। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य में जुट गए।

स्थानीय लोगों ने घायलों को संभाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में मदद की। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। जमीनी विवाद में दो लोगों की मौत और सात लोगों के घायल होने की खबर से क्षेत्र में तनाव और दहशत का माहौल बना हुआ है।

इस दर्दनाक घटना में जान गंवाने वालों की पहचान अमित यादव (20 वर्ष), पुत्र श्रवण यादव तथा



इंदु देवी (लगभग 40 वर्ष), पत्नी मनोज यादव के रूप में हुई है। महज 20 वर्ष की उम्र में अमित की मौत और इंदु देवी के असमय चले जाने से दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिस घर में रोजमर्रा की जिंदगी और भविष्य की उम्मीदें थीं, वहां अचानक मातम पसर गया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

सात घायलों की सूची: 1.निलेश यादव (24 वर्ष), पुत्र राजेंद्र यादव। 2.राजनाथ यादव (65 वर्ष)। 3.राज कुमार (45 वर्ष), पुत्र पहना लाल। 4.साहब लाल (22 वर्ष), पुत्र राज अवध। 5.मनोज यादव (45 वर्ष), पुत्र राजदेव यादव। 6.शांति यादव (20 वर्ष), पुत्र प्यारे लाल। 7.किशन यादव (16 वर्ष), पुत्र लल्लू यादव। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है। घायलों के परिजन अस्पताल में मौजूद रहकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं।

इस घटना ने क्षेत्र में जमीन संबंधी विवादों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद किस बात पर था? क्या पहले से कोई रंजिश चल रही थी? विवाद के दौरान स्कॉर्पियो का इस्तेमाल कैसे हुआ और किन परिस्थितियों में लोगों को कुचले जाने की घटना हुई? इन सभी सवालों का जवाब पुलिस की जांच के बाद ही सामने आ सकेगा।

फिलहाल घटना में एक पक्ष पर दूसरे पक्ष के लोगों को स्कॉर्पियो से कुचलने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस के स्तर से मामले की जांच और घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी सामने आने का इंतजार है। जमीनी विवाद में दो लोगों की मौत और सात लोगों के घायल होने की इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

शाही पुल पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग से रोजाना लग रहा जाम, ऐतिहासिक धरोहर की खूबसूरती पर ग्रहण

पुल पर फिर सजीं दुकानें, शेर-हाथी के स्टेच्यू के सामने बाइक पार्किंग; जिम्मेदार विभागों की कार्यशैली पर उठे सवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की ऐतिहासिक पहचान और गौरव का प्रतीक शाही पुल इन दिनों अतिक्रमण और अवैध पार्किंग की समस्या से जूझ रहा है। पुल पर दोबारा दुकानों के सजने और जगह-जगह बेतरतीब बाइकों की पार्किंग से आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

हैरानी की बात यह है कि जौनपुर की पहचान माने जाने वाले शेर और हाथी के स्टेच्यू के ठीक सामने भी अवैध रूप से बाइकें खड़ी की जा रही हैं। इससे न केवल पुल की सुंदरता प्रभावित हो रही है, बल्कि ऐतिहासिक धरोहर की गरिमा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर अतिक्रमण की समस्या कोई नई नहीं है। समय-समय पर कार्रवाई की बात तो होती है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर वही स्थिति बन जाती



है। दुकानों के संचालन और अव्यवस्थित पार्किंग के चलते पुल पर आवागमन बाधित होता है और लोगों को जाम में फंसना पड़ता है।

सबसे बड़ा सवाल यातायात पुलिस और संबंधित विभागों की कार्यशैली पर उठ रहा है। आखिर बार-बार अतिक्रमण होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? सरायपोख्ता पुलिस चौकी और कोतवाली पुलिस की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए, ताकि क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

अब जरूरत है कि जिला प्रशासन, यातायात पुलिस और नगर पालिका संयुक्त रूप से अभियान चलाकर शाही पुल को अतिक्रमण मुक्त कराएं। अवैध दुकानों और बेतरतीब पार्किंग पर सख्ती से रोक लगाई जाए, जिससे शहर की इस ऐतिहासिक धरोहर की खूबसूरती और गरिमा बरकरार रहे तथा आम जनता को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिल सके।

घर में घुसकर युवक पर लोहे के पंच से हमला, दो दांत टूटे; तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के बगौझर गांव में घर में घुसकर एक युवक के साथ मारपीट करने और लोहे के पंच से हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित वैभव श्रीवास्तव की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बगौझर निवासी वैभव श्रीवास्तव ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि 16 नवंबर की रात करीब आठ बजे विनोद श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव और सुनीता उनके घर में घुस आए। आरोप है कि तीनों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर प्रमोद श्रीवास्तव ने लोहे के पंच से उनके चेहरे पर वार कर दिया, जिससे उनके आगे के दो दांत आधे टूट गए और होंठ फट गया।

पीड़ित का आरोप है कि विपक्षी आए दिन मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि घटना से संबंधित वीडियो रिकॉर्डिंग भी उनके पास उपलब्ध है।

मामले में थाना महराजगंज पुलिस ने 17 नवंबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। एफआईआर के अनुसार मामले की विवेचना उपनिरीक्षक शेषनाथ सिंह को सौंपी गई है।

जमीन विवाद में महिला से मारपीट, छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

महाराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के बैरमा गांव में जमीन विवाद को लेकर एक महिला के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता संतरा देवी की तहरीर पर पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संतरा देवी पत्नी तिलधारी प्रजापति निवासी बरमा ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि 16 नवंबर की सुबह करीब नौ बजे विपक्षी पक्ष के लोग उनकी जमीन पर बने पिलर और भंडाल को तोड़ रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने रंजिश को लेकर उनके बेटे शुभम, पति तिलधारी तथा उनके साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जाते समय आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। महिला की शिकायत पर थाना महराजगंज पुलिस ने छह आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 115(2), 352 और 351(3) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक कृपाशंकर मिश्रा को सौंपी गई है।

मुख्य मार्ग पर बिजली का तार नीचे लटका, दो जिलों को जोड़ने वाले रास्ते पर ग्रामीणों ने तार ऊंचा कराने की मांग की

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य मार्ग पर बिजली का तार नीचे लटक रहा है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से तार ऊंचा कराने की मांग की है। यह रास्ता दो जिलों को जोड़ता है और इस पर रोज हजारों लोग और वाहन गुजरते हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, बिजली के खंभे पर लगा चीनी मिट्टी का इंसुलेटर (कटआउट) टूटने से तार नीचे झुक गया है। इस रास्ते से खेती के काम में लगे वाहन, मालवाहक वाहन और दूसरी भारी गाड़ियां गुजरती हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग ने अब तक समस्या ठीक नहीं की है। उन्होंने अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर टूटे इंसुलेटर को ठीक कराने और तार को सुरक्षित ऊंचाई पर लगाने की मांग की है।

देवरिया में 607 मीटर इंटरलॉकिंग मार्ग का विधायक ने किया लोकार्पण, ग्रामीणों को मिलेगी राहत

दिलशाद अहमद सानू

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामसभा देवरिया में ग्रामीणों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई। क्षेत्रीय विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने सुभाष चौहान के घर से यादव बस्ती तक नवनिर्मित 607 मीटर लंबे इंटरलॉकिंग मार्ग का लोकार्पण किया। मार्ग के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बस्ती के लोगों को आने-जाने में सहूलियत होगी।

ग्रामसभा देवरिया में इस मार्ग की मांग लंबे समय से की जा रही थी। मार्ग के निर्माण से स्थानीय लोगों को आवागमन के लिए बेहतर रास्ता उपलब्ध हुआ है। खासकर यादव बस्ती तक पहुंचने वाले ग्रामीणों को इससे सुविधा मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क मार्गों का निर्माण लोगों की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के साथ ही आवागमन को सुगम बनाने



में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने नवनिर्मित मार्ग का लोकार्पण कर इसे ग्रामीणों के लिए समर्पित किया। इस दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

लोकार्पण के अवसर पर बबलू सिंह, अजय दूबे, शिवकुमार सिंह, राम आसरे चौहान, संजय सिंह, राजेश सिंह, रणजीत सिंह, सुभाष चौहान, किशन चौहान, धर्मराज यादव, डॉ. राम बचन, राम चंद्र चौहान, अजय सिंह, धर्मेंद्र चौहान, प्रदीप यादव और राहुल यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। जिसकी जानकारी मंगलवार की शाम लगभग 4:00 बजे विधायक कार्यालय से दिया गया।

गोमती पुल से नदी कूदे युवक की तीसरे दिन वसीरपुर में मिली लाश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के वसीरपुर गांव के पास गोमती नदी में बुधवार को एक युवक की लाश मिली।लाश को कोतवाली पुलिस अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ज्ञात हो सरायख्वाजा के गोपालपुर गांव निवासी सुंदरम मौर्य पुत्र रोहित मौर्य रविवार की रात 11 बजे गर्लफ्रेंड की शर्त सुनकर गोमती नदी में छलांग लगा लिया था। सुंदरम मौर्या की लाश तीसरे दिन बुधवार की सुबह मिला।

परिजनों व पुलिस की टीम के द्वारा सोमवार की सुबह से युवक की लगातर तलाश में की जा रही थी।शव मिलने की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया।

ज्ञात हो सुंदरम बीए थर्ड ईयर का छात्र था। वह रविवार की रात करीब 9 बजे घर से निकला। वह 3 किमी दूर शाही पुल पर करीब 11 बजे पहुंचा। वहां से उसने अपने दोस्त प्रवीण मौर्या को वीडियो कॉल की। उससे बोला- मैं गोमती नदी में कूदने जा रहा। घर पर बता देना। इतना कहकर उसने फोन काट दिया। दोस्त से मिली सूचना पर घर वाले भागते हुए पहुंचे। तुरंत पुलिस को भी कॉल की। सोमवार सुबह से ही पुलिस और गोताखोर सुंदरम की तलाश में जुटे रहे। जिसका तीसरे दिन बसीरपुर में शव मिला है।

सुंदरम के पिता रहित मौर्या ने बताया- सुंदरम का सिपाही की एक लड़की नैना से करीब एक साल से अफेयर था। वह उसे प्रताड़ित करती थी। उस पर कमाने के लिए दबाव बनाती थी। मेरा बेटा शाही पुल से कूद गया।

सुंदरम के भाई शिवम मौर्या ने कहा- नैना नाम की लड़की मेरे भाई को कई दिनों से प्रताड़ित कर रही थी। उसने भाई से कहा- अगर तुम 50 हजार रुपए कमाओगे तभी मैं तुमसे शादी करूंगी। मेरा भाई रोज मुझसे, पापा से और कई लोगों से कहता था कि भैया कोई काम हो तो दिलवा दो।

ग्रामीणों ने विधायक से किया छोटी नहर की जल्द सफाई कराने की मांग

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लॉक में शारदा सहायक नहर से निकली छोटी नहर की लंबे समय से सफाई नहीं हुई है। गजाधरपुर, गजहरमऊ, अभयपुर और पूरालाल समेत कई गांवों के खेतों तक इसी नहर से सिंचाई का पानी पहुंचता है। इसमें घास और जंगली पौधे उग आए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि झाड़ियों के कारण नहर को पहचानना भी मुश्किल हो गया है। खेतों में बुवाई का सीजन चल रहा है। सफाई नहीं होने पर किसानों को खेतों तक पानी पहुंचाने में परेशानी हो सकती है।

◆ शारदा सहायक नहर से निकली नहर में उगी झाड़ियां



नहर के किनारे उगी झाड़ियों और जंगली पौधों से खेतों तक आने-जाने में भी खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने जहरीले जीव-जंतुओं का डर भी जताया है।

संतोष, रामकरण, जयराम, रमाशंकर, मोहन और बच्चूलाल समेत अन्य ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक से नहर की जल्द सफाई कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते सफाई होने से नहर के आखिरी छोर तक पानी पहुंच सकेगा। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से नहर साफ कराने की अपील की है।

फर्जी दस्तावेजों पर नौकरी कर रहे 56 शिक्षक हुए बर्खास्त

जिले भर के शिक्षकों के दस्तावेजो की हो रही जांच

मऊ (उत्तरशक्ति)। जनपद में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की एटीएस के द्वारा जांच की जा रही है जिसमें फर्जी दस्तावेज नौकरी करने वाले 56 शिक्षकों को अब तक बर्खास्त किया जा चुका है जबकि तमाम शिक्षकों के दस्तावेजों की जांच चल रही है। इस पूरे मामले की जानकारी बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष उपाध्याय ने मीडिया कर्मियों को दी है। मामले की जानकारी देते हुए कहा कि कोर्ट के आदेश पर पूरे प्रदेश में फर्जी दस्तावेजों पर नौकरी कर रहे शिक्षकों की जांच हो रही है जिसमें मऊ जनपद में फर्जी दस्तावेजों पर नौकरी करने वाले 56 शिक्षकों को बर्खास्त किया जा चुका है साथ ही अन्य जिले भर के शिक्षकों की जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट विभाग को सौंप दिया जाएगा। वही कहा कि जिले भर के सभी शिक्षकों को शिक्षा विभाग में अपने पूरे दस्तावेजों को जमा करना है और जो लोग अपने दस्तावेजों को जमा नहीं करेंगे या फिर आना काली करेंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी।

विधवा महिला के घर लगी आग में लेखपाल ने नुकसान की किया जांच, सरकारी मदद दिलाने का दिया भरोसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज स्थानीय थाना क्षेत्र के लोहरियांव गांव में बुधवार शाम एक विधवा महिला के घर में आग लग गई। आग लगने का कारण पता नहीं चला है। घर में रखा सामान जल गया। महिला गरीब है और मांगकर गुजारा करती है। घटना की सूचना मिलने पर लेखपाल हेमंत यादव गुरुवार सुबह मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल देखा और महिला से जानकारी ली हेमंत यादव ने आग से हुए नुकसान की जांच की। उन्होंने महिला को भरोसा दिलाया कि शासन-प्रशासन से जो मदद संभव होगी, उसे दिलाने का प्रयास करेंगे। ग्रामीणों ने लेखपाल के मौके पर पहुंचने और मदद का भरोसा देने की सराहना की। उन्होंने प्रशासन से महिला को जल्द आर्थिक सहायता देने की मांग की।

जनगण विश्वास पदयात्रा पहुंची फत्तूपुर

पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे का युवाओं और ग्रामीणों ने किया स्वागत

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के फत्तूपुर गांव में पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे की जनगण विश्वास पदयात्रा पहुंची। युवाओं और ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रमोद सिंह और उनके समर्थकों ने पदयात्रा में शामिल



ओमप्रकाश दुबे का स्वागत किया और उन्हें पूरे गांव का भ्रमण कराया। पदयात्रा के दौरान पूर्व विधायक ने घर-घर जाकर केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने लोगों से पूछा कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक कितना पहुंच रहा है और उन्हें किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने अपनी बातें रखीं और पदयात्रा की पहल की सराहना की। गांव के युवाओं में भी पदयात्रा को लेकर उत्साह दिखा। लोगों ने जगह-जगह स्वागत कर अपना समर्थन और सहभागिता जताई।

श्रीराम कथा से पहले निकली कलश यात्रा

मेढा-जमऊपट्टी में कथा, मुख्य यजमान सबसे आगे चले

सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के मेढा-जमऊपट्टी बॉर्डर स्थित महर्षि मेधा ऋषि की तपस्थली पर बुधवार को सात दिवसीय श्रीराम कथा से पहले कलश यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा के दौरान जय श्रीराम के जयकारे लगे। पुरुष श्रद्धालु हाथों में सनातन धर्म की पताका लेकर चल रहे थे। मुख्य यजमान चंद्रप्रकाश चतुर्वेदी उर्फ मिठू सिर पर रामायण लेकर सबसे आगे चले। कथा व्यास देवी शिखा चतुर्वेदी रथ पर सवार होकर श्रद्धालुओं के साथ रहीं।यात्रा मुख्य यजमान के आवास से शुरू होकर मेढा बाजार और गौरीशंकर धाम होते हुए आदि गंगा गोमती के तट पर स्थित गोमतेश्वर महादेव मंदिर तक जाएगी। आयोजकों के मुताबिक, श्रीराम कथा 18 नवंबर से शुरू होकर 24 नवंबर तक चलेगी। कथा



हर दिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक होगी। आयोजन के संयोजक अनूप चतुर्वेदी हैं। इस मौके पर ग्राम प्रधान हुकम यादव, पूर्व प्रधान राकेश तिवारी, विनय शर्मा कोटेदार, अखिलेश चतुर्वेदी एडवोकेट, सत्यदेव सिंह, सुभाष शर्मा, युवा नेता दिव्य प्रकाश सिंह, मुन्नू यादव, दिगंबर नाथ मिश्रा, वीरेंद्र दुबे, सुरेंद्र दुबे, शिवकुमार शर्मा अध्यापक, लल्ला शर्मा, दुर्गा प्रसाद, बबऊ शर्मा, अनिल मिश्रा, नन्हकू शर्मा, गंगा चौबे, मास्टर संतोष दुबे और उग्रसेन सिंह पोस्टमास्टर समेत क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

खेल भावना, टीमवर्क और आत्मविश्वास से बढ़ाएं विश्वविद्यालय का गौरवः कुलपति

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतर विश्वविद्यालयीय कबड्डी का भव्य आगाज

14 प्रदेशों के 54 विश्वविद्यालयों की टीमें ले रही हैं हिस्सा, मार्च पास्ट से हुआ उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता 2026-27 का बुधवार को भव्य शुभारंभ हुआ। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), नई दिल्ली के आवंटन पर विश्वविद्यालय के खेलकूद



परिषद की ओर से आयोजित चार दिवसीय प्रतियोगिता 18 से 21 नवंबर तक परिसर स्थित मेजर ध्यानचंद क्रीड़ा संकुल में चल रही है। प्रतियोगिता में 14 प्रदेशों की 54 विश्वविद्यालयों की टीमें प्रतिभाग करने पहुचीं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कबड्डी में सफल रेड के लिए साहस और सूझबूझ, जबकि बचाव के लिए टीम का तालमेल जरूरी है। हार-जीत से सीख लेकर खिलाड़ियों को अगले अंक पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने खेल भावना, अनुशासन और टीम के प्रति विश्वास बनाए रखते हुए पूरे दमखम से खेलने की प्रेरणा दी। साथ ही, विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों की खेल शैली से सीखकर अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों के प्रति प्रेरित करने तथा अपने विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया।

उद्घाटन समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमों ने आकर्षक मार्च पास्ट किया और कुलपति को सलामी दी। कुलपति ने सभी टीमों का अभिवादन स्वीकार करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की ओर से पर्यवेक्षक के रूप में जींद विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. नरेश कुमार उपस्थित रहे।

इस दौरान कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह एवं वित्त अधिकारी विनोद कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने स्वागत भाषण दिया। अध्यक्षता खेलकूद परिषद के अध्यक्ष प्रो. सुधाकर सिंह ने की तथा धन्यवाद ज्ञापन परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह ने किया। संचालन राजेश सिंह ने किया। प्रतियोगिता के सुचारु संचालन के लिए सुरेश कुमार सिंह को प्रतियोगिता प्रबंधक नियुक्त किया गया है। निर्णायक मंडल में माया राय, जेपी सिंह, अजीत कुमार, शिव मुनि, धर्मेंद्र पाल, कन्हैया यादव एवं जितेंद्र पटेल शामिल हैं। आयोजन में प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. आलोक सिंह, डॉ. राम आसरे राय, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, विजय, सुशील कुमार प्रजापति, राधेश्याम सिंह सहित खेल शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

अंतर-विश्वविद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिताः पहले दिन देर शाम तक जारी रहे रोमांचक मुकाबले, इन टीमों ने दर्ज की जीत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर-विश्वविद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमों के बीच कड़े और संघर्षपूर्ण मुकाबले देखने को मिले। मैदान पर खिलाड़ियों के बीच रोमांचक भिड़ंत का यह दौर देर शाम तक लगातार जारी रहा। दो पूल में प्रतियोगिताएं हुई।

प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए विभिन्न चक्रों में पहले पूल में बी.एन.एम. विश्वविद्यालय, संबलपुर विश्वविद्यालय, एस.जी. गुरु विश्वविद्यालय, विनोबा बी. विश्वविद्यालय, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय, एन. बंगाल विश्वविद्यालय और आर.आई.एस. विश्वविद्यालय ने अपने-अपने मुकाबलों में उत्कृष्ट खेल कौशल और सूझबूझ का परिचय देते हुए शानदार जीत दर्ज की। वहीं दुसरे पूल में एस.एम.के. विश्वविद्यालय, मुंगेर विश्वविद्यालय, मैट्स विश्वविद्यालय, एन. लखीमपुर विश्वविद्यालय, एम.एस.आर.बी.डी. विश्वविद्यालय एवं पूर्णिया विश्वविद्यालय समेत अन्य विश्वविद्यालय की टीमों ने भी आक्रामक रेड और मजबूत डिफेंस के दम पर प्रतिद्वंद्वी टीमों को मात देकर अगले दौर में प्रवेश किया। दूधिया रोशनी और दर्शकों के जबर्दस्त उत्साह के बीच देर शाम तक चले मैचों में खिलाड़ियों ने पूरे दमखम और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायकों की सीटी और दर्शकों की गूंज के साथ परिसर का खेल मैदान दिनभर ऊर्जा और खेल उत्साह से सराबोर रहा।



केतन गांधी बने भाजपा महाराष्ट्र आईटी सेल के रीजनल को-कन्वीनर, ठाणे-कोंकण की मिली जिम्मेदारी



वसई। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र के आईटी सेल में वसई निवासी केतन गांधी को रीजनल को-कन्वीनर नियुक्त किया गया है। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण द्वारा 17 नवंबर 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार, उन्हें ठाणे-कोंकण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू की गई है। केतन गांधी लंबे समय से वसई-विरार और पालघर क्षेत्र में भाजपा के संगठनात्मक एवं डिजिटल मीडिया कार्यों में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने इन क्षेत्रों में पार्टी के सोशल मीडिया अभियान को प्रभावी बनाने के साथ लोकसभा, विधानसभा तथा वसई-विरार महानगरपालिका चुनावों की रणनीति तैयार करने और उसे धरातल पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एक-दो महीने में पूरी होंगी काशी की लंबित विकास परियोजनाएं, जल्द होगा लोकार्पण



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। नवागत मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने कार्यभार संभालने के बाद विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए कहा कि काशी की प्रमुख लंबित परियोजनाओं को अगले एक-दो महीने में पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। इनमें गंजारी स्टेडियम, रोपवे, एयरपोर्ट विस्तार और रिंग रोड जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

इनके लोकार्पण की तिथियां जल्द घोषित की जाएंगी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि काशी पूर्वांचल के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो रही है। यहां देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। ऐसे में सफाई, घाटों की स्वच्छता, यातायात, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना प्रशासन की प्राथमिकता होगी। मंडलायुक्त ने बताया कि इस बार देव दीपावली पर गंगा घाटों में दीपों की संख्या बढ़ाई जाएगी। लेजर और ड्रोन शो आयोजन के प्रमुख आकर्षण होंगे।

पर्यटकों के लिए पार्किंग, यातायात और साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की जाएगी। कई वरिष्ठ अतिथियों के आगमन की भी संभावना है। उन्होंने बताया कि 28 नवंबर से 12 दिसंबर तक काशी तमिल संगमम के पांचवें संस्करण का आयोजन होगा। इस बार इसकी मुख्य थीम तमिल के प्राचीन ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' पर आधारित होगी। आयोजन में नए प्रयोग और नवाचार भी किए जाएंगे। मंडलायुक्त ने कहा कि काशी की धार्मिक, सांस्कृतिक और विकास संबंधी पहचान को मजबूत करने के साथ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी।

समारोह में जा रहे दो दोस्तों की मौत, तेज रफ्तार टेलर ने बाइक को मारी टक्कर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। चंदवक थाना क्षेत्र के रामदेवपुर में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों युवक एक समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार टेलर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान चंदन मौर्या (23) और सोनू (26) निवासी ग्राम थुन्नी के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि दोनों युवक आपस में अच्छे दोस्त होने के साथ ही अगल-बगल के पड़ोसी भी थे। दोनों एक साथ समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में हुए इस भीषण हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। एक साथ दो युवकों की मौत की खबर जैसे ही उनके गांव पहुंची, वहां कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा हुआ है। एक साथ दो युवकों की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे के बाद टेलर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस फरार टेलर चालक की तलाश में जुटी है। एक साथ घर से निकले दो दोस्तों की मौत ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। समारोह की खुशियों में शामिल होने निकले दोनों युवकों के घरों में अब मातम पसरा है।

एक लाख दीपों से जगमगाएगा चौकिया धाम, 23-24 नवंबर को सजेगी 24वें देव दीपावली महोत्सव की भव्य छटा



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल माँ शीतला चौकिया धाम में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 24वें भव्य देव दीपावली एवं दीपोत्सव महोत्सव का आयोजन 23 और 24 नवंबर 2026 को किया जाएगा। इसको लेकर आयोजकों की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। माँ शीतला धाम कुंड परिसर में आयोजित होने वाले इस महोत्सव को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। आयोजन को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजक विशाल भारद्वाज, महंत विनय त्रिपाठी एवं अध्यक्ष व संरक्षक ने बताया कि इस वर्ष देव दीपावली महोत्सव को ऐतिहासिक स्वरूप देने का लक्ष्य रखा गया है। आयोजन में लगभग एक लाख दीप प्रज्ज्वलित करने की योजना है। वहीं, कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार में 51 हजार दीपों से भव्य दीपोत्सव का उल्लेख किया गया है। आयोजकों ने बताया कि इस विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में प्रदेश और देश की कई प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। इनमें राजनीतिक क्षेत्र के नेताओं के साथ फिल्मी दुनिया की हस्तियां भी शामिल हो सकती हैं। देव दीपावली के अवसर पर पूरा चौकिया धाम दीपों की रोशनी से जगमगाएगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं एवं जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस भव्य दीपोत्सव का हिस्सा बनने की अपील की।

रोहित शर्मा की यह आदत उनकी पत्नी को बिल्कुल नहीं पसंद

पटना(उत्तरशक्ति)। फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा में प्रतियोगी जैस्मी के सवाल का जवाब देते हुए रोहित शर्मा ने खुलासा किया कि उनकी पत्नी रितिका को उनके नाखून चबाने की आदत बिल्कुल पसंद नहीं है और वे इसके लिए उन्हें अक्सर डांटती हैं। इस मजेदार किस्से को साझा करते हुए रोहित ने कहा कि मेरे नाखुन चबाने पे उसको बहुत गुस्सा आता है। जब मैं भारत के बाहर होता हूँ या बॉम्बे के बाहर होता हूँ, तब वो मेरे आस-पास वाले लोगों को फोन करके बोलती है, उसके हाथ पे जोर से मार। उनकी यह बेबाक स्वीकारोक्ति दर्शकों को दोनों के बीच की हल्की-फुल्की नोकझोंक की भी झलक देती है। देखिए फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर।

सात चक्र, योग और ध्यान के जरिए विद्यार्थियों को दिया मानसिक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन

अमेठी। धरई माफी स्थित महात्मा शिव कुमार इंटर कॉलेज में विद्यालय के संस्थापक महात्मा प्रसाद पाठक की जयंती के अवसर पर विशेष शैक्षिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुंबई से आए दार्शनिक चिंतक एवं लेखक डॉ. रमाकांत तिवारी क्षितिज ने छात्र-छात्राओं को मानसिक, शैक्षिक तथा किशोरावस्था से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया।



डॉ. क्षितिज ने विद्यार्थियों को सात चक्रों की साधना, योग और ध्यान के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि योग और ध्यान के नियमित अभ्यास से विद्यार्थियों में एकाग्रता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने में मदद मिलती है। उन्होंने किशोरावस्था में होने वाले मानसिक और भावनात्मक बदलावों को समझने तथा उनका सकारात्मक तरीके से सामना करने के उपाय भी बताए। कार्यक्रम को रोचक और प्रभावशाली बनाने के लिए बीच-बीच में संगीत का सहारा लिया गया। संगीत, ध्यान और आध्यात्मिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मचिंतन और आंतरिक शांति का अनुभव कराने का प्रयास किया गया। छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

विद्यालय के प्रबंधक जयप्रकाश पाठक ने डॉ. रमाकांत क्षितिज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले विद्यालय के शिक्षकों एवं सहयोगियों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि डॉ. रमाकांत तिवारी क्षितिज मुंबई में रहते हैं, लेकिन जब भी अमेठी आते हैं तो बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों से जुड़े सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करते हैं। उनके इन प्रयासों की क्षेत्र में चर्चा होती रहती है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक जयप्रकाश पाठक, प्रधानाचार्य कैलाश नाथ उपाध्याय, विजय कुमार यादव, श्यामलाल शुक्ला, अभिषेक कुमार पांडेय, मृदुल तिवारी, रितेश कुमार, राकेश कुमार यादव, आशीष कुमार यादव, राधिका यादव,पत्रकार शशिकांत तिवारी, श्रीकांत तिवारी, यश रोहित, मोहित, हमीद खान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार व राष्ट्रीय राजमार्ग घोटाले के विरुद्ध 1927वें दिन भी जारी रहा सत्याग्रह



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में चल रहा सत्याग्रह आन्दोलन 1927वें दिन भी अनवरत जारी रहा। 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस धरने के माध्यम से भूमि अधिग्रहण की अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा उठाया जा रहा है। इस दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई डकैती के अभियुक्तों पर कड़ी कार्रवाई की भी मांग की गई।

इस अवसर पर बसन्त लाल मौर्य, नरेन्द्र गिरी रामनगीना यादव, राम बहाल यादव, नन्दलाल रावत, सजन यादव, उदय प्रताप सिंह, डा.ज्ञान प्रकाश सिंह, विजय प्रकाश मिश्र, विजय प्रताप सिंह, अमरेश कुमार पाण्डेय सहित दर्जनों समर्थकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर समर्थन दिया।

01043 एलटीटी समस्तीपुर एसी स्पेशल गाड़ी 12 घंटे विलंब से यात्री परेशान

मुंबई। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से समस्तीपुर तक चलने वाली 01043 एसी स्पेशल ट्रेन 12 घंटे की देरी से चल रही है।एलटीटी से 17 नवंबर को दोपहर सवा 12 बजे चली ट्रेन 12 घंटे की देरी से चल रही है। इस ट्रेन से दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन तक की यात्रा 3एसी में कर रहे वरिष्ठ नागरिक और चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज राय ने बताया कि ट्रेन को शाम 4 बजे दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पहुंचना था लेकिन लगभग 12 घंटे की देरी से 3 बजे जबलपुर पहुंची है। यही हाल रहा तो इसके आगे और भी लेट होने की संभावना है। इस ट्रेन को रोक कर सभी ट्रेनों को पास दिया जा रहा है। बहुत ही धीमी गति से ट्रेन चल रही है। जगह जगह रुकती हुई जा रही है। सभी यात्री बेहद परेशान है। ट्रेन चलने के 24 घंटे के बाद



पहली बार कोच में टीटी के दर्शन हुए। स्पेशल किराया लेने के बाद भी ट्रेन के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन के संचालक मनोज राय ने बताया कि 18 नवंबर को अपना 60 वाँ जन्मदिन भदोही में गरीब बच्चों के साथ मनाने वाले थे लेकिन ट्रेन की लेट लतीफी के चलते अब यह कार्यक्रम कैंसिल करना पड़ रहा है।

पिपरी की जामा मस्जिद व कब्रिस्तान को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, ध्वस्तीकरण पर लगी रोक

पिपरी/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी की ऐतिहासिक जामा मस्जिद और कब्रिस्तान के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा अंतरिम आदेश जारी करते हुए मस्जिद भवन और उसकी चहारदीवारी के ध्वस्तीकरण पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। न्यायालय के इस आदेश से मस्जिद इंतिजामिया कमेटी को बड़ी राहत मिली है। मस्जिद कमेटी के सदर आफताब अहमद ने अधिवक्ता अभिषेक कुमार चौबे के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान मस्जिद के वक्फ बोर्ड में पंजीकरण और सरकारी गजट में अधिसूचना से संबंधित दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। न्यायमूर्ति अजीत कुमार एवं न्यायमूर्ति गरिमा



प्रसाद की खंडपीठ ने 17 नवंबर 2026 को याचिका पर सुनवाई करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगाई तथा राज्य सरकार से जवाब मांगा। मामले की अगली सुनवाई 8 दिसंबर 2026 को होगी। इस मौके पर कमेटी ने नंदलाल वर्मा, प्रदेश सचिव व्यापार प्रकोष्ठ (अपना दल एस) और अधिवक्ता अभिषेक कुमार चौबे के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार जताया। कमेटी के सदर आफताब अहमद ने क्षेत्र के लोगों से शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

काशी की गलियों से गंजारी तक विकास को मिलेगी नई रफ्तार, विकास की रफ्तार के साथ काशी की सूरत-सुविधा संवारेंगे मंडलायुक्त

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की पहचान उसके भव्य घाटों, मंदिरों और आध्यात्मिक वैभव से है, लेकिन इस प्राचीन नगरी की असली खूबसूरती उसकी गलियों, नागरिक सुविधाओं और यहां आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव में भी बसती है। विकास की बड़ी परियोजनाओं के बीच अब शहर की रोजमर्रा की समस्याओं को भी प्राथमिकता के केंद्र में लाने की तैयारी है। नवागत मंडलायुक्त ने बुधवार को पदभार ग्रहण करने और बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन के बाद कमिश्नरी सभागार में पत्रकारों से संवाद के दौरान अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि काशी में चल रही परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के साथ सफाई, यातायात, अतिक्रमण और जलभराव जैसी समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर रहेगा। उद्देश्य ऐसा शहर विकसित करना है, जहां विकास की चमक के साथ नागरिकों को सुविधाजनक जीवन और पर्यटकों को सुखद अनुभव मिल सके। मंडलायुक्त ने कहा कि काशी में एयरपोर्ट विस्तार, रिंग रोड सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनसे शहर के विकास को नई दिशा मिलेगी। हालांकि विकास का वास्तविक लाभ तभी दिखाई देगा, जब आम नागरिक को भी उसका अनुभव हो। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर विभागों के बीच समन्वय बढ़ाकर लंबित कार्यों को तेजी से पूरा कराया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि अगले एक-दो महीने में अधूरी परियोजनाओं को पूरा कराने का प्रयास होगा। जिन कार्यों में किसी कारण से देरी हुई है, उनकी बाधाओं की पहचान कर एक-एक कर समाधान किया जाएगा।

गंजारी स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को लेकर मंडलायुक्त ने खास संकेत दिए। उन्होंने बताया कि स्टेडियम का निरीक्षण करने जा रहे हैं। निर्माण का



अधिकांश काम पूरा हो चुका है और अब फिनिशिंग सहित शेष तैयारियों को देखना है। निरीक्षण के बाद उद्घाटन की तारीख के संबंध में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने दिया जाएगा। एक-दो महीने के भीतर पूरी होने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। गंजारी स्टेडियम पूर्वांचल में खेल गतिविधियों और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

काशी की विश्वप्रसिद्ध देव दीपावली को लेकर मंडलायुक्त ने कहा कि इस बार आयोजन को और भव्य बनाने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। घाटों पर दीपोत्सव, लेजर शो और ड्रोन शो के आकर्षण को बढ़ाने की तैयारी है। इसके लिए सुरक्षा, आवागमन, पार्किंग और सफाई व्यवस्था को पहले से बेहतर बनाया जाएगा। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले आयोजनों से मिले अनुभवों के आधार पर इस बार कुछ नए प्रयोग भी किए जाएंगे। काशी का आयोजन केवल भव्यता के लिए नहीं, बल्कि बेहतर प्रबंधन के लिए भी जाना जाए, यही प्रयास रहेगा।

शहर की यातायात व्यवस्था पर सवालों के जवाब में मंडलायुक्त ने माना कि काशी की संकरी गलियों और प्रमुख मार्गों पर बढ़ता दबाव चुनौती है। खासकर 80 घाट से नमो घाट तक के क्षेत्र में पर्यटकों और वाहनों की संख्या बढ़ने पर जाम की स्थिति बन जाती है। इसका समाधान केवल मौके पर पुलिसकर्मी तैनात करने से नहीं होगा, बल्कि व्यवस्थित मास्टर प्लान बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर ऐसे स्थानों को चिह्नित किया जाएगा, जहां यातायात और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की जरूरत है।

पार्किंग, वाहनों के आवागमन और भीड़ प्रबंधन के लिए भी प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाएगी। सफाई व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने विशेष जोर दिया। कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों और घाटों के साथ अंदरूनी गलियों की सफाई भी उतनी ही जरूरी है। इसके लिए सफाईकर्मियों की संख्या और संसाधनों को जरूरत के अनुसार बढ़ाने का प्रयास होगा। सड़कों पर निर्माण सामग्री, मिट्टी और मलबा छोड़ने वाले ठेकेदारों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण कई बार काम प्रभावित होता है। इसे दूर कर सफाई और सड़क सुधार के कार्यों में तेजी लाई जाएगी। उन्होंने पत्रकारों और नागरिकों से भी अपील की कि कहीं सड़क खराब हो, जलभराव हो, अतिक्रमण हो अथवा सफाई की समस्या हो तो उसकी जानकारी प्रशासन तक पहुंचाएं। ऐसी शिकायतों को संज्ञान में लेकर समाधान कराया जाएगा। उनका कहना था कि प्रशासन को शहर की वास्तविक समस्याओं की जानकारी जनता के माध्यम से भी मिलनी चाहिए।तमिलनाडु के शिवगंगा जिले के मूल निवासी मंडलायुक्त ने काशी और तमिलनाडु के सांस्कृतिक रिश्तों को भी विशेष महत्व दिया। उन्होंने कहा कि दोनों क्षेत्रों के बीच संबंध केवल वर्तमान के नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की साझा सभ्यता, साहित्य और आध्यात्मिक परंपरा से जुड़े हैं। काशी-तमिल संगमम इस रिश्ते को और प्रगाढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

इस बार आयोजन में पिछले संस्करणों के अनुभवों के साथ नए प्रयोग और नवाचार करने का प्रयास होगा। उन्होंने तमिल साहित्य के प्राचीन ग्रंथ तिरुक्कुरल का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी रचनाओं में जीवन, नैतिकता और सामाजिक मूल्यों का व्यापक संदेश है। इस विरासत को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। काशी तमिल संगमम के माध्यम से उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता को नई मजबूती मिलेगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर भी संबंधित अधिकारियों से समन्वय किया जाएगा।

नवागत मंडलायुक्त की पहली पत्रकार वार्ता में विकास का एक व्यापक दृष्टिकोण सामने आया। एक ओर गंजारी स्टेडियम और अन्य बड़ी परियोजनाओं को पूरा कराने की प्रतिबद्धता दिखी तो दूसरी ओर गलियों की सफाई, जाम, अतिक्रमण और जलभराव जैसी समस्याओं को लेकर भी गंभीरता दिखाई दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि काशी में आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक यहां से अच्छा अनुभव लेकर जाएं, इसके लिए हर जरूरी प्रयास किया जाएगा। काशी के सामने इस समय दोहरी चुनौती है।

उसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त महानगर के रूप में विकसित होना है और साथ ही अपनी प्राचीन पहचान, सांस्कृतिक गरिमा और गलियों की आत्मीयता भी बचाए रखनी है। ऐसे में नवागत मंडलायुक्त की प्राथमिकताओं का असली परिणाम तभी दिखाई देगा, जब योजनाएं कागज से निकलकर जमीन पर उतरेंगी और उनका लाभ सीधे आम काशीवासी को मिलेगा।

जक्खिनी महाविद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा समारोह का भव्य शुभारंभ, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। राजातालाब क्षेत्र के जक्खिनी स्थित राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य संतोष सिंह की अध्यक्षता में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह 2026-27 का शुभारंभ मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी भदोही श्याम कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि खेलकूद शारीरिक स्वास्थ्य के साथ व्यक्तित्व विकास और बेहतर करियर का माध्यम है। प्राचार्य संतोष सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन एवं टीम भावना के साथ खेलों में प्रतिभाग करने के



लिए प्रेरित किया। प्रथम दिन 800 मीटर दौड़ में प्रभात मौर्या प्रथम, दिवाकर द्वितीय और ज्योतेश्वर तृतीय रहे।

200 मीटर दौड़ में तृषा मिश्रा प्रथम, कशिश मिश्रा द्वितीय और करिश्मा तृतीय रहीं। लंबी कूद में दीपक प्रजापति और छात्राओं में झूमा यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोला प्रक्षेप में छात्रों के वर्ग में प्रभात मौर्या तथा छात्राओं के वर्ग में शालिनी यादव प्रथम रहीं। विजेताओं को मेडल एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभात कुमार सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सुनील कुमार ने दिया। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षक-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



सतना में प्रजापति समाज को समर्पित होगा अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी विद्यालय

शिलान्यास समारोह मे 30 लाख रुपये से अधिक का अनुदान





सतना (मध्यप्रदेश)। सतराम बीए एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित अमर शहीद प्रजापति रामचंद्र विद्यार्थी विद्यालय का भव्य शिलान्यास समारोह 15 नवंबर 2026 को सतना में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्धजनों, उद्योगपतियों, सामाजिक संगठनों एवं शिक्षा प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और विद्यालय निर्माण के लिए 30 लाख रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता एवं निर्माण सामग्री देने की घोषणा कर शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दारा सिंह प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा से बढ़कर समाज के उत्थान का कोई दूसरा माध्यम नहीं है। उन्होंने विद्यालय का निर्माण शीघ्र पूरा कराने की प्रतिबद्धता जताते हुए तत्काल 11 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया। लखनऊ से पधारे विशिष्ट अतिथि एवं उद्योगपति वेदप्रकाश प्रजापति ने कहा कि यह आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) का दौर है। ऐसे समय में समाज के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने 51 हजार ईंटों के साथ 9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। इसी क्रम में सती माता ट्रस्ट की ओर से नंगे पैर प्रतिज्ञा लेकर शिक्षा के लिए जनजागरण कर रहे चंद्रप्रकाश प्रजापति ने विद्यालय निर्माण हेतु 4 लाख रुपये का सहयोग दिया। वहीं, 4 नवंबर से संचालित शिक्षा पर भिक्षा यात्रा के माध्यम से प्राप्त 5 लाख रुपये की राशि भी विद्यालय निर्माण के लिए समर्पित की गई। मुंबई से कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए कार्यक्रम का संचालन कर रहे अजय प्रजापति की पहल पर सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट की ओर से तत्काल 51 हजार रुपये और सूरतगढ़ राजस्थान के विधायक डूंगरराम गेदर द्वारा 51 हजार का अनुदान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए अनेक सामाजिक संगठनों, समाजसेवियों एवं सहयोगियों ने भी दिल खोलकर आर्थिक सहयोग दिया। सभी का एक ही संकल्प रहा कि अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी के नाम पर बनने वाला यह शिक्षण संस्थान समाज के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, शिक्षा के प्रसार और आने वाली पीढ़ियों के निर्माण का केंद्र बने। यह शिलान्यास समारोह केवल एक विद्यालय की आधारशिला रखने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता, शिक्षा के प्रति समर्पण और भावी पीढ़ियों को बेहतर भविष्य देने के संकल्प का प्रतीक बनकर सामने आया। आयोजक संस्था का संकल्प है कि यह विद्यालय समाज को समर्पित एक ऐसा शिक्षण संस्थान बने, जहां आर्थिक परिस्थितियां किसी भी बच्चे की शिक्षा में बाधा न बनें। संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र बाबू प्रजापति एवं सचिव भारत प्रसाद प्रजापति ने अन्य कई प्रदेशो से आये सभी का आभार व्यक्त किया। संचालक अजय प्रजापति ने सभी भामाशाहो को मंच पर आमंत्रित करके उन्हें अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर संस्था के पदाधिकारी द्वारा स्वागत एवं सम्मान कराया!



हरित भवनों से नेट जीरो शहरों की ओर: IGBC ने तैयार की भारत के सतत भविष्य की रूपरेखा



मुंबई। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (IGBC) ने आज 24 वीं ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 2026 की घोषणा की, जिसका आयोजन 26 से 28 नवंबर 2026 तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई में किया जाएगा। भारत के सतत निर्मित पर्यावरण एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी में 3,000 से अधिक प्रतिनिधि, 10,000 व्यावसायिक आगंतुक, 150 से अधिक विचारक और 100 से अधिक संस्थागत व उद्योग भागीदार एकत्र होंगे। एक सतत भविष्य का निर्माण झ अच्छा करें, अच्छा महसूस करें। मिलकर हरित दुनिया का निर्माण (Forging a Sustainable Future – Do Good, Feel Good. Building Greener Worlds Together) थीम के तहत आयोजित यह कांग्रेस एक ऐतिहासिक मोड़ पर आ रही है, क्योंकि IGBC भारत के हरित भवन आंदोलन को आगे बढ़ाने के 25 वर्ष पूरे कर रहा है। आज भारत में 16.55 बिलियन वर्ग फुट को कवर करने वाली 20,620 से अधिक IGBC-पंजीकृत परियोजनाएं हैं, जो दुनिया के दूसरे सबसे बड़े ग्रीन बिल्डिंग बाजार के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करती हैं। 2001 में CII द्वारा स्थापित IGBC आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, संस्थागत और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में सतत निर्माण को मुख्यधारा में लाने में सहायक रहा है। 33 ग्रीन और नेट जीरो रेटिंग प्रणालियों के साथ, IGBC देश भर में संसाधन-कुशल, पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार और स्वस्थ निर्मित वातावरण को आगे बढ़ाने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करना जारी रखे हुए है। CII इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 2026 के अध्यक्ष सी. शेखर रेड्डी ने कहा: पिछले 25 वर्षों में भारत का ग्रीन बिल्डिंग आंदोलन एक उभरते हुए विचार से एक राष्ट्रव्यापी परिवर्तन में बदल गया है। 16.55 बिलियन वर्ग फुट को कवर करने वाली 20,620 से अधिक पंजीकृत परियोजनाओं के साथ, भारत ने खुद को दुनिया के दूसरे सबसे बड़े ग्रीन बिल्डिंग बाजार के रूप में स्थापित किया है। इसका प्रभाव तेजी से मापने योग्य है। IGBC-रेटेड इमारतों से हर साल लगभग 64 बिलियन यूनिट बिजली और 199 बिलियन लीटर पानी की बचत होने का अनुमान है, साथ ही लगभग 53 मिलियन टन CO_2 उत्सर्जन को भी रोका जा रहा है। हरित भवन स्वस्थ जीवन वातावरण, आवश्यक संसाधनों तक बेहतर पहुंच और अधिक लचीले पड़ोस के माध्यम से समुदायों को ठोस लाभ भी पहुंचा सकते हैं। चूंकि भारत बढ़ते तापमान और कूलिंग की बढ़ती आवश्यकताओं का सामना कर रहा है, इसलिए इमारतों को जलवायु जोखिम और ऊर्जा सुरक्षा के समाधान का एक केंद्रीय हिस्सा बनना होगा। सरकार को शहरों और समुदायों में हरित भवन प्रथाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करना चाहिए। अगले चरण को व्यक्तिगत हरित इमारतों से आगे बढ़कर नेट जीरो इमारतों, परिसरों, टाउनशिप और सतत शहरों की ओर जाना चाहिए। ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 2026 इस महत्वाकांक्षा को व्यावहारिक, मापने योग्य कार्रवाई में बदलने के लिए देश और दुनिया भर के हितधारकों को एक साथ लाएगी। IGBC मुंबई चैप्टर के अध्यक्ष और ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 2026 के सह-अध्यक्ष चितरंजन कौशिक ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा: मुंबई और महाराष्ट्र सतत शहरी विकास की ओर भारत के संक्रमण का नेतृत्व करने के लिए विशिष्ट रूप से स्थित हैं। आवास, परिवहन और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश के साथ, राज्य के पास विकास के निर्णयों में स्थिरता को शामिल करने और मौजूदा इमारतों की हरित रेट्रोफिटिंग में तेजी लाने का अवसर है। यह कांग्रेस पूरे क्षेत्र में साझेदारी बनाने और हरित भवन प्रथाओं को आगे बढ़ाने के लिए नीति निमार्ताओं, डेवलपर्स और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं को एक साथ लाएगी।

इंदौर के लालबाग में मिली तिजोरी का रासायनिक उपचार होगा

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के ऐतिहासिक लालबाग पैलेस परिसर में मिली एक टन से ज्यादा वजनी पुरानी तिजोरी का रहस्य अब भी बरकरार है। बुधवार को इसे खोलने की चर्चा थी, लेकिन विभाग ने फिलहाल ऐसा नहीं किया। राज्य पुरातत्व विभाग अब तिजोरी का रासायनिक उपचार कराएगा। इसके बाद विशेषज्ञों की मदद से इसे खुलवाया जाएगा। विभाग की योजना भविष्य में इस तिजोरी को राजबाड़ा में प्रदर्शित करने की है। इधर, तिजोरी पर एक महिला ने अपना दावा पेश किया है। वंदना सोनी का कहना है कि यह उनकी मां मनोरमा सोनी की पैतृक संपत्ति है। वह इसे श्रावण महीने में लालबाग पैलेस के पास स्थित गुरुनानक कॉलोनी, बारह मथा से लेकर आई थीं। महिला के पास तिजोरी पर मालिकाना हक साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहींलालबाग पैलेस परिसर में इन दिनों सड़क और दीवार निर्माण का काम चल रहा है। इसी के तहत पाथ-वे बनाने के लिए खुदाई और जमीन को समतल करने का काम किया जा रहा था। मंगलवार को इसी दौरान कर्मचारियों को मिट्टी में दबी पुरानी तिजोरी दिखाई दी। कर्मचारियों ने इसे बाहर निकाला तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। एहतियात के तौर पर तिजोरी को पैलेस परिसर में ही सुरक्षित रखवाया गया है लालबाग पैलेस इंदौर के होलकर राजघराने के इतिहास से जुड़ा प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है। यहां पुरानी तिजोरी मिलने के बाद इसके राजपरिवार से जुड़े होने को लेकर भी चर्चाएं हैं। हालांकि, तिजोरी के इतिहास, उसके मालिकाना हक और अंदर रखी सामग्री को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अब रासायनिक उपचार और विशेषज्ञों की जांच के बाद ही इसके बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

टोयोटा ड्रीम कार आर्ट कॉन्टेस्ट के 20वें संस्करण की घोषणा



मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने टोयोटा ड्रीम कार आर्ट कॉन्टेस्ट के 20वें संस्करण के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित करने की घोषणा की है। यह प्रतियोगिता टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन, जापान द्वारा परिकल्पित एक प्रमुख वैश्विक पहल है। रचनात्मकता को बढ़ावा देने और बच्चों को भविष्य की मोबिलिटी की कल्पना करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित यह प्रतियोगिता भारतभर के 15 वर्ष और उससे कम आयु के बच्चों के लिए खुली है। प्रविष्टियां 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक स्वीकार की जाएंगी। इस वर्ष की प्रतियोगिता का मुख्य विषय आपकी ड्रीम कार है, जो बच्चों को अपनी कल्पना की ड्रीम कार के बारे में सोचने और उसे चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त करने की रचनात्मक स्वतंत्रता प्रदान करता है। भारत में पिछले 5 वर्षों के दौरान इस प्रतियोगिता को जबरदस्त सहभागिता प्राप्त हुई है। इसके 16वें और 17वें संस्करण में भारतीय प्रतिभागियों ने वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2024 में आयोजित टीडीसीएसी के 17वें संस्करण के दौरान, विशाखापट्टनम की सुश्री पेरुरी लक्ष्मी सहस्रा ने वैश्विक प्रतियोगिता में प्रतिष्ठित ह्यबेस्ट फाइनलिस्ट अवॉर्ड हासिल किया, जिससे रचनात्मकता के इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की पहचान और मजबूत हुई। 12 से 15 वर्ष आयु वर्ग में उनकी असाधारण उपलब्धि के सम्मानस्वरूप उन्हें शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने हेतु नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। यह उल्लेखनीय सहभागिता बच्चों को बिना किसी सीमा के सपने देखने, असीमित कल्पनाशीलता को बढ़ावा देने और नवोन्मेषी विचारों की खोज के लिए प्रेरित करने के प्रति टोयोटा की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

MEIL ने इनोवेटिव फाइनेंसिंग के जरिए जुटाए 700 मिलियन डॉलर, कंपनी का वैल्युएशन 1 लाख करोड़ रुपये के पार

मुंबई। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (MEIL) ग्रुप ने एक इनोवेटिव फाइनेंसिंग स्ट्रक्चर के माध्यम से लगभग 700 मिलियन डॉलर का बड़ा फंड जुटाया है। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस फाइनेंसिंग प्रक्रिया में स्ट्रक्चर्ड इक्विटी और ग्रुप की सड़क संपत्तियों (Road Assets) का प्रस्तावित मुद्रीकरण शामिल है। इस लेनदेन से परिचित सूत्रों ने बताया कि जुटाई गई इस राशि का उपयोग MEIL के प्रबंध निदेशक (MD) कृष्णा रेड्डी द्वारा किया जाएगा। वह इस फंड के जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर दिग्गज कंपनी में अपने चाचा और ग्रुप के चेयरमैन पी.पी. रेड्डी की हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे। इस महत्वपूर्ण सौदे में दुनिया की तीन प्रमुख ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्मों– डीके (DK), एचएच (HH) और वर्डे पार्टनर्स (Värde Partners) – ने निवेश किया है। इन वैश्विक दिग्गजों की भागीदारी MEIL के विजन, इसके विविध बिजनेस पोर्टफोलियो और विकास की दीर्घकालिक संभावनाओं में उनके गहरे भरोसे को प्रमाणित करती है। इस निवेश सौदे के आधार पर, वर्तमान में MEIL का कुल मूल्यांकन (Valuation) लगभग 1 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। इसके अलावा, ग्रुप के एनर्जी ट्रांजिशन कारोबार, 'ईपीटीएल' (EPTL) का मूल्यांकन इस चरण में लगभग 14,000 करोड़ रुपये किया गया है। यह शानदार वैल्युएशन ग्रुप के व्यापारिक संचालन के विशाल स्तर और इसके व्यवसायों की मजबूत क्षमता को स्पष्ट रूप से दशार्ता है।

विशेषज्ञ COPD के जोखिम को कम करने के लिए विज्ञान-आधारित तरीकों को अपनाने की सलाह देते हैं

मुंबई/दिल्ली। सिगरेट पीने वालों के बीच क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) एक बड़ा खतरा है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस चुनौती से निपटने के लिए व्यावहारिक और विज्ञान पर आधारित दृष्टिकोण की जरूरत है, जो सिगरेट की लत को छोड़ने में मददगार हो। उनके मुताबिक इस मामले में सामने आ रहे नए वैज्ञानिक प्रमाणों की जांच और गहन परीक्षण की जरूरत है। सिगरेट का सेवन साँस की बीमारियों का एक मुख्य कारण है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी), यूएसए के अनुसार अमेरिका में सीओपीडी के कारण होने वाली हर 10 मौतों में से 8 का कारण सिगरेट का सेवन है। फरवरी 2026 में 27,319 भारतीय वयस्कों पर की गई 23 स्टडीज के मेटा-एनालिसिस में सामने आया कि सिगरेट पीने वाले 37% वयस्कों को सीओपीडी है। सीओपीडी में क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और एम्फिसेमा आता है, जो साँस की नली में हवा के बहाव को कम कर देता है। इसकी वजह से लगातार साँस लेने में तकलीफ होती है, खाँसी और कफ आते हैं, और व्यायाम की टॉलरेंस कम हो जाती है। यह बीमारी तब तक प्रकट नहीं होती है, जब तक फेफड़ों की शक्ति बहुत कम ना हो जाए। इसलिए इसे समय पर पहचानना और स्पिरोमेट्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। डॉ. पवन गुप्ता, डायरेक्टर-सेंटर फॉर चेस्ट एंड रेस्पिरेटरी डिजीजेज, बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली ने कहा, सीओपीडी की पहचान अक्सर बहुत देर से होती है और तब तक मरीजों के फेफड़ों की क्षमता बहुत कम हो चुकी होती है। लगातार खाँसी, कफ का बनना और साँस लेने में तकलीफ को कोई उम्र बढ़ने या धूम्रपान के आम लक्षण मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जाँच, स्पिरोमेट्री और उचित इलाज से बीमारी को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। साथ ही, सिगरेट की लत छोड़ने में मदद को रेस्पिरेटरी केयर का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार निकोटीन पर निर्भरता के कारण सिगरेट की लत छोड़ना मुश्किल हो जाता है। डॉ. चंद्रमणि पंजाबी, सीनियर कंसलटेंट एवं हेड, डिपार्टमेंट ऑफ पल्मोनोलॉजी, माता चानन देवी हॉस्पिटल, जनकपुरी, नई दिल्ली ने कहा, देश में विज्ञान और हेल्थकेयर का तेजी से विकास हो रहा है, इसलिए हमें इस चुनौती के लिए भी ज्यादा व्यावहारिक तरीका अपनाना चाहिए। जापान, अमेरिका और यूके में अलग रेगुलेशन बनाए गए हैं, ताकि सिगरेट पीने वालों को विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर आधारित विकल्प उपलब्ध कराके उनकी जाँच हो सके। उनके अनुभवों से भारत के लिए भी सीख ली जा सकती है और ग्लोबल वैज्ञानिक प्रमाणों का परीक्षण किया जा सकता है।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की डिफेन्स क्षेत्र में नई पहल: ए-थॉन ऑलटेरेन में 26 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की योजना

मुंबई। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड की सहायक कंपनी ने ए-थॉन ऑलटेरेन में 26% तक हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक बाइंडिंग एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (EOI) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह प्रस्तावित निवेश कंपनी की डिफेन्स इलेक्ट्रॉनिक्स से आगे बढ़कर ग्राउंड मोबिलिटी और एडवांस्ड डिफेन्स प्लेटफॉर्म्स में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। यह प्रस्तावित निवेश केवल एक वित्तीय लेनदेन नहीं है, बल्कि अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के व्यापक डिफेन्स विस्तार रोडमैप का संकेत भी देता है। कंपनी वर्तमान में डिफेन्स इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रोमैकेनिकल सिस्टम्स, वेपन सिस्टम्स और एनर्जेटिक्स जैसे क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रही है। ए-थॉन ऑलटेरेन में संभावित हिस्सेदारी इस पोर्टफोलियो में लैंड मोबिलिटी का एक नया आयाम जोड़ सकती है। ए-थॉन ऑलटेरेन ऑल-टेरेन वाहनों के क्षेत्र में कार्यरत है, जिनका उपयोग कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में लॉजिस्टिक्स, कर्मियों की आवाजाही और मिशन सपोर्ट ऑपरेशंस के लिए किया जा सकता है। यदि प्रस्तावित निवेश आगे बढ़ता है, तो अपोलो माइक्रो सिस्टम्स अपने मौजूदा डिफेन्स टेक्नोलॉजी अनुभव को ग्राउंड मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स के साथ जोड़कर नए समाधान विकसित करने की संभावनाएं तलाश सकती है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान चरण में यह एक बाइंडिंग एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट है। प्रस्तावित ट्रांजैक्शन आवश्यक अनुमोदनों, ड्यू डिलिजेंस, वाणिज्यिक शर्तों तथा अंतिम समझौतों के अधीन है। अंतिम स्वामित्व संरचना और अन्य विवरण आगे होने वाले आधिकारिक प्रकटीकरणों में सामने आएंगे। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब भारत स्वदेशी डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दे रहा है। कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति अलग-अलग इलेक्ट्रॉनिक सब-सिस्टम्स की आपूर्ति से आगे बढ़कर अधिक व्यापक डिफेन्स प्लेटफॉर्म्स और समाधान प्रदान करने की रही है। प्रस्तावित ए-थॉन निवेश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वित्तीय प्रदर्शन के मोर्चे पर भी कंपनी ने मजबूत गति दिखाई है। सिस्टमेटिक्स इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कंपनी का समेकित राजस्व 72 प्रतिशत बढ़कर लगभग 388 करोड़ रुपये रहा। रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि मुख्य रूप से ऑर्डर बुक के निष्पादन और आईडीएल एक्सप्लोसिव्स के कंसॉलिडेशन से समर्थित रही।

मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक का नया सुपर ऑटो लॉन्च: ज्यादा दम, लंबी रेंज और ड्राइवर का भरोसा

चेन्नई। मुरुगप्पा ग्रुप के क्लीन मोबिलिटी ब्रांड मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक ने आज सुपर ऑटो का नया वेरिएंट लॉन्च किया। यह लास्ट-माइल के लिए कंपनी के प्रमुख इलेक्ट्रिक पैसेंजर थ्री-व्हीलर्स में सबसे नया मॉडल है। सुपर ऑटो प्लेटफॉर्म पर बने इस वेरिएंट में पहले से ज्यादा आराम और जगह है। इसमें सेगमेंट की सबसे दमदार परफॉर्मेंस के साथ वे फीचर्स भी हैं, जिनकी मांग ड्राइवर और फ्लीट ऑपरेटर करते रहे हैं। कंपनी इसके जरिए इस कैटेगरी में नया पैमाना तय करना चाहती है। नए सुपर ऑटो में वे फीचर्स हैं, जिनकी ड्राइवरों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसकी 10 'ह की परमानेंट मैग्नेट मोटर 60 ठे का अधिकतम टॉर्क देती है, और 32% की ग्रेडेबिलिटी की बदौलत यह खड़ी चढ़ाई पर भी बेझिझक चढ़ जाता है। इसकी 10.6 'हँ की बैटरी आम तौर पर 180 किलोमीटर से ज्यादा की असल रेंज देती है, और 40A के ऑफ-बोर्ड चार्जर से यह 5 घंटे 30 मिनट में खाली से पूरी चार्ज हो जाती है। इस सेगमेंट में यह एक अनोखा, कार जैसा फीचर भी लाता हैः हिल-होल्ड असिस्ट, जो ढलान पर वाहन को अपनी जगह पर रोके रखता है। रीजेनरेटिव ब्रेकिंग, जरूरत के हिसाब से चुने जा सकने वाले इको, ड्राइव और पावर मोड, और रिवर्स व पार्क असिस्ट से रोज का काम आसान हो जाता है। बड़ी इंटीग्रेटेड एलईडी लाइटों से रास्ता साफ दिखता है, और केबिन लाइट से अंदर भी सहूलियत रहती है। आगे हाइड्रोलिक शॉक एब्जॉर्बर के साथ डबल-फोर्क कॉइल-स्प्रिंग सस्पेंशन, 120/80 R12 रेडियल ट्यूबलेस टायर और खुलने वाले टेलगेट के साथ पीछे सामान का केबिन, ये सब सफर को आरामदेह और गाड़ी को ज्यादा काम का बनाते हैं।

नातों, दोस्ती और सहप्रवास के बहुरंगी भावविश्व को समेटे हैशटैग का दिवाली विशेषांक

-आदेश मिश्र

ठाणे। दिवाली विशेषांक केवल कहानियों, कविताओं, लेखों और साक्षात्कारों का संकलन नहीं होता, बल्कि यह पाठकों को विचार करने के लिए प्रेरित करने, पुरानी यादों को ताजा करने और नए दृष्टिकोण से परिचित कराने वाला साहित्यिक उत्सव होता है। इसी परंपरा को एक अनूठी और कल्पनाशील विषयवस्तु देते हुए पै फ्रेंड्स लाइब्रेरी की ओर से प्रकाशित साहित्यिक पत्रिका हैशटैग का जोड़ी विशेषांक पाठकों के सामने आया है। जोड़ी शब्द सुनते ही मन में कई रिश्ते, व्यक्तित्व और अवधारणाएं उभरने लगती हैं। कुछ जोड़ियां खून के रिश्तों से जुड़ी होती हैं, कुछ दोस्ती के धागे से, तो कुछ कला, विचार और सामाजिक कार्यों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ती हैं। इन विविध जोड़ियों के सफर को शब्दों में पिरोने की कल्पना इस विशेषांक को खास बनाती है। इस अंक की सबसे बड़ी विशेषता जोड़ियों को देखने का व्यापक नजरिया है। इसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डॉ. श्रीकांत शिंदे की जोड़ी पर राजेश कदम ने लेख लिखा है। वहीं, सेवाभावी दंपती डॉ. प्रकाश आमटे और मंदाकिनी आमटे के जीवन एवं सामाजिक योगदान को अरविंद शिंदे ने रेखांकित किया है। स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर और आशा भोसले की जोड़ी पर मंदार सोमण, अभिनेता अशोक सराफ और निवेदिता सराफ पर हेमंत नेहते तथा न्याय व्यवस्था की चर्चित चंद्रचूड़ पिता-पुत्र की जोड़ी पर माधव जोशी ने अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। इसी तरह आयुष्यावर बोलू काही के माध्यम से संगीत और साहित्य की अनूठी मैत्री को जीवंत करने वाले सलील कुलकर्णी और संदीप खरे की जोड़ी पर सुकन्या जोशी ने लिखा है। महेश कोठारे और लक्ष्मीकांत बेर्डे की जोड़ी का सफर डॉ. सुनील खर्डीकर ने प्रस्तुत किया है। विशेषांक में मनोरंजन, खेल, साहित्य और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी लोकप्रिय जोड़ियों को भी स्थान दिया गया है। टॉम एंड जेरी पर अमेय घैसास, ब्लैक एंड व्हाइट पर पुंडलिक पै, जय-वीरू पर डॉ. समीर गुघाटे, कांदा-बटाटा पर आरती कुलकर्णी, कट्टी-बट्टी पर प्रा. नागेश हुलवळे, रैकेट और शटलकॉक पर करिश्मा खर्डीकर, पाटी-पेंसिल पर प्रा. शैलेश रेगे, लॉरेल और हार्डी पर भूषण पत्की तथा मोटू-पतलू पर कांचन ढाके ने रोचक लेख लिखे हैं। दो अलग-अलग स्वभाव, स्वतंत्र विचार और अलग राहों पर चलने वाले दो व्यक्तियों के एक साथ आने से किस तरह एक नई दुनिया बनती है, यही इस अंक का मूल भाव है। संपादक डॉ. योगेश जोशी ने विषयों का चयन और संपादकीय नियोजन प्रभावी ढंग से किया है। इन लेखों के माध्यम से पाठकों को परिचित व्यक्तित्वों और लोकप्रिय जोड़ियों को एक नए नजरिए से समझने का अवसर मिलता है। विशेष रूप से व्यक्तिचित्रण और लेखों के माध्यम से जोड़ियों के बीच आपसी विश्वास, संघर्ष, अपनापन, मतभेद, सामंजस्य और एक-दूसरे की सफलता में योगदान को बखूबी उजागर किया गया है। किसी व्यक्ति की सफलता के पीछे उसके जीवनसाथी, सहयोगी या मित्र का मौन योगदान कितना महत्वपूर्ण होता है, इसका एहसास भी यह अंक कराता है। जोड़ी जैसे रोचक विषय को केंद्र में रखकर लिखे गए 45 अर्थपूर्ण और विचारोत्तेजक लेखों के कारण हैशटैग का यह विशेषांक न केवल पठनीय, बल्कि संग्रहणीय भी बन गया है। इस विशेषांक के संपादक डॉ. योगेश विजय जोशी, अतिथि संपादक एकनाथ शिंदे एवं डॉ. श्रीकांत शिंदे तथा प्रकाशक पुंडलिक पै हैं।



राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही नागरिकों के घरों व पुनर्विकास के अधिकारों का भी विचार हो: गोपाल शेट्टी



मुंबई। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास भवनों के पुनर्विकास को लेकर उत्पन्न समस्याओं पर नागरिकों को राहत देने वाली स्पष्ट एवं समयबद्ध नीति बनाने की मांग की है। महाराष्ट्र शासन के नगर विकास विभाग द्वारा 18 मई 2011 की रक्षा मंत्रालय की एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) संबंधी मार्गदर्शक तत्वों के क्रियान्वयन को स्पष्ट करते हुए, आवश्यक एलएमए अनापत्ति प्रमाणपत्र के बिना शुरू किए गए निर्माण कार्यों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। इसके चलते कांदिवली, मालाड सहित रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास स्थित पुराने एवं जर्जर भवनों के पुनर्विकास का मुद्दा गंभीर हो गया है। हजारों झुग्गीधारकों एवं रहवासियों का भविष्य अधर में लटकने की आशंका है। गोपाल शेट्टी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि इस मामले में निषेधात्मक दृष्टिकोण अपनाने के बजाय नागरिकों को राहत देने वाली स्पष्ट नीति बनाई जानी चाहिए। अन्यथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी के लिए घर की संकल्पना प्रभावित होगी और हजारों परिवार अपने हक के घर से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा बलों पर देश को गर्व है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ नागरिकों के आवास और पुनर्विकास के अधिकारों का भी ध्यान रखते हुए सुरक्षा एवं विकास के बीच संतुलन स्थापित करना शासन की जिम्मेदारी है। गोपाल शेट्टी ने मुख्यमंत्री से प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि सर्वसमावेशक नीति निर्धारित होने तक वर्तमान निर्णय के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाए। 18 मई 2011, 17 नवंबर 2015 तथा 21 अक्टूबर 2016 के मार्गदर्शक तत्वों एवं संशोधनों पर एक साथ विचार कर सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं। उन्होंने पूर्व स्वीकृत एवं स्वीकृति प्रक्रिया में शामिल पात्र पुनर्विकास परियोजनाओं को बिना उचित कारण बाधित नहीं करने तथा कानूनी एवं तकनीकी आधार पर संरक्षण देने की मांग की। साथ ही रक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों और सामान्य आवासीय क्षेत्रों का स्पष्ट सीमांकन कर एनओसी प्रक्रिया की समयसीमा निर्धारित करने पर जोर दिया। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए महाराष्ट्र शासन, रक्षा मंत्रालय, मुंबई महानगरपालिका, एसआ